CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-200
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर,शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024

आज का विचार

अगर आप सफल होना चाहते हो तो आपको अपने काम में एकाग्रता लानी होगी।

रामनिवास रावत का नामांकन दाखिल करने पहुंचे सीएम मोहन यादव ने किया बड़ा ऐलान

लाड़ली बहनों को जल्द मिलेंगे 3 हजार रुपए

भोपाल/ विजयपुर। मध्यप्रदेश की 1 करोड़ 29 लाख लाड़ली बहनाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। लाड़ली बहनों को हर महीने मिलने वाली 1250 रुपए की राशि जल्द ही बढ़कर 3 हजार रुपए होने वाली है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खुद मंच से इस बात का ऐलान किया है। सीएम मोहन यादव ने यह भी कहा है कि भाजपा ने अपने वचन पत्र में लाड़ली बहनों से जो वादे किए थे वो वादे जरूर पूरे होंगे। सीएम मोहन यादव गुरुवार को श्योपुर जिले के विजयपुर में होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत का नामांकन दाखिल करने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने सभा को भी संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. यादव ने कांग्रेस पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग कहते थे कि चुनाव के बाद लाड़ली बहना योजना बंद हो जाएगी लेकिन हमने लाड़ली बहना योजना की राशि को 1 हजार रुपए से बढ़ाकर 1250 रूपए किया और बहुत जल्द इस राशि को बढ़ाकर 3000 रुपए महीना किया जाएगा। भाजपा ने वचन पत्र में जो भी वादे लाड़ली बहनों से किए थे उन्हें पूरा किया जाएगा। बता दें कि मध्यप्रदेश की 1 करोड़ 29 लाख लाड़ली बहनों को लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 10 तारीख से पहले 1250 रुपए सरकार की ओर से दिए जाते हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस योजना की शुरुआत की थी जो आज मध्यप्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण योजना बन चुकी है। इसी साल रक्षाबंधन पर मोहन यादव सरकार ने लाड़ली बहनाओं को 1250 रुपए के साथ 250 रुपए का रक्षाबंधन गिफ्ट भी दिया था।

जिन बहनों के नाम छूटे हैं, उनके नाम भी जोड़ेंगे

सीएम ने कहा कि जिन बहनों के नाम लाड़ली बहना में छूट गए हैं, उपचुनाव बाद सभी के नाम जोड़े जाएंगे। एक-एक बहन का नाम जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मैं जब-जब प्रदेश की एक करोड़ 29 लाख लाडली बहनों के खाते में पैसे भेजता हूं, कांगेस पार्टी और उसके नेताओं के पेट में मरोड़ होने लगती है। सीएम यादव ने कहा कि बीजेपी सरकार जो कहती है वह करती है। एक करोड़ 29 लाख लाड़ली बहनों के खातों में प्रति माह 1250 रुपए भेजे जा रहे हैं। अभी तो एक साल भी इस सरकार को पूरा नहीं हुए हैं। लाड़ली बहनों को लेकर हमारी सरकार ने जो संकल्प लिए हैं, वह सभी पूरे किए जाएंगे।

किसानों की जिंदगी में बदलाव कर रही मोदी सरकार

सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार सीमा पर जवान और खेत पर किसान को सम्मान देने का कार्य करती है। कांग्रेस पार्टी किसानों की जमीन नीलाम करती थी। कभी किसानों के हितों के लिए कार्य नहीं किया। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों की जिंदगी में बदलाव लाने का कार्य कर रही है।

चंबल-पार्वती-कालीसिंध प्रोजेक्ट कांग्रेस ने लटकाए रखा

सीएम ने कहा कि चंबल-पार्वती-कालीसिंध नदी जोड़ने की परियोजना को कांग्रेस सरकार में 20 साल तक लटकाए रखा गया। 75 हजार करोड़ की इस परियोजना से ग्वालियर-चंबल और उज्जैन संभाग के हर गांव, हर खेत को पानी पहुंचाया जाएगा। कांग्रेस को राम मंदिर पसंद नहीं आया। कांग्रेस नेता सनातन का विरोध करते हैं। हिंदुओं की भावनाओं का अपमान करने वाली कांग्रेस को 13 नवंबर को भाजपा को वोट देकर जनता सबक सिखाए। सीएम मोहन यादव ने कहा कि विजयपुर क्षेत्र में 107 किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं। 253 किमी सड़कों के निर्माण का कार्य चल रहा है। क्षेत्र के सभी अधूरे विकास कार्य पूरे किए जाएंगे।

रावत के नामांकन से पहले हुआ रोड शो

विजयपुर में भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत के नामांकन से पहले रोड शो हुआ। इसमें सीएम डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर शामिल हुए। रोड शो विजयपुर सामुदायिक अस्पताल से सुनवई तिराहे तक निकाला गया। इसके बाद गणेश महाविद्यालय परिसर में सभा हुई। सबसे पहले मंत्री रामनिवास रावत और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सभा को संबोधित किया। इसके बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने पार्टी कार्यकताओं को संबोधित किया।

पूर्वी लद्दाख में डिसइंगेजमेंटः लद्दाख पर भारतीय-चीनी सैनिकों का पीछे हटना शुरू

तंबू उखड़े, गाड़ियां-साजो-सामान वापस बुला रहे

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लद्दाखपर भारत और चीन के सैनिकों ने चार साल बाद पीछे हटना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को दोनों देशों के सैनिकों ने अपने टेंट्स हटाने शुरू कर दिए। इसके साथ ही गाड़ियां और साजो-सामान वापस बुलाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। यह सब कुछ पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रूस के कजान में हुई मुलाकात के एक दिन बाद शुरू हो गया।

भारत और चीन के बीच हुआ है समझौता- भारत और चीन के बीच हाल ही में एक बड़ा समझौता हुआ है, जिसके तहत दोनों देशों की सेनाएं पूर्वी लद्दाख के कुछ इलाकों से पीछे हट रही हैं। इस प्रक्रिया की शुरुआत हो चुकी है, जिससे सीमाई तनाव कम होने की उम्मीद है। यह समझौता चार दिन पहले दोनों देशों के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के बीच हुआ। समझौते के अनुसार, दोनों देश 2020 से पहले की स्थिति बहाल करेंगे।

पेट्रोलिंग फिर से शुरू करने की तैयारी- इस समझौते के बाद भारत और चीन के सैनिकों के बीच पेट्रोलिंग फिर से शुरू होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 21 अक्टूबर को सुबह दोनों देशों के कॉर्प्स कमांडरों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। तब से ही दोनों देशों की सेनाएं छोटे-छोटे दलों में पीछे हट रही हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो अगले 10 दिनों में पेट्रोलिंग शुरू हो सकती है। फिलहाल, दोनों देशों के सैनिकों ने कुछ अस्थायी ढांचे, जैसे तंबू और शेड्स को हटाना शुरू कर दिया है। **महत्वपूर्ण पेट्रोलिंग प्वाइंट्स तक पहुंचेंगे सैनिक**- इस समझौते के बाद, भारतीय सैनिक अब देपसांग के पेट्रोलिंग प्वाइंट्स 10, 11, 11, 12 और 13 तक जा सकेंगे। इस क्षेत्र में दौलत बेग ओल्डी और काराकोरम पास के पास स्थित ऊंचाई वाले इलाकों तक पेट्रोलिंग की जाएगी। इसी तरह, दक्षिणी लद्दाख के डेमचोक इलाके से भी सैनिक पीछे हट रहे हैं। यह वही इलाका है, जहां चीनी सैनिकों ने भारतीय सीमा के अंदर कुछ टेंट लगा दिए थे।

बहाल की जाएगी 2020 से पहले की स्थिति- भारत और चीन ने सीमा पर अप्रैल 2020 की स्थिति को बहाल करने पर सहमति जताई है। इसका मतलब है कि चीनी सैनिक उन इलाकों से पीछे हटेंगे, जहां उन्होंने अवैध कब्जा किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्री के अनुसार, दोनों देशों ने सीमा पर पेट्रोलिंग की प्रक्रिया पर भी सहमति बना ली है। यह समझौता दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की दिशा में बड़ा कदम है।

2020 में गलवान में घुस आई थी चीनी सेना- 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें 20 भारतीय जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। उस समय चीन ने सीमा पर अपने सैनिकों की संख्या बढ़ाई थी, जिसके जवाब में भारत ने भी समान संख्या में सैनिक तैनात किए। अब इस समझौते के बाद उम्मीद है कि सीमा पर स्थिति में सुधार आएगा और शांति बहाल होगी। इस समझौते के तहत, दोनों देशों ने 63 पेट्रोलिंग प्वाइंट्स पर पेट्रोलिंग शुरू करने पर सहमति जताई है। इसमें पेंगोंग झील के उत्तरी हिस्से में फिंगर 8 तक पेट्रोलिंग बहाल की जाएगी। यहां भारतीय सैनिक अब फिंगर 4 तक जा सकेंगे। इस क्षेत्र में टकराव से बचने के लिए, दोनों सेनाएं पेट्रोलिंग की तारीख और समय की जानकारी पहले से साझा करेंगी। इससे सैनिकों के बीच सीधे संघर्ष से बचा जा सकेगा और सीमा पर शांति बनी रहेगी।

78 स्थानों पर छापेमारी, 700 लोगों की टीम ने 104 किलो सोना किया जब्त

त्रिशूर। केरल में जीएसटी टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पूरे राज्य की जीएसटी टीमों ने सोने के व्यापार के लिए मशहूर त्रिशूर में आभूषण निर्माण इकाइयों पर छापेमारी करते हुए 75 करोड़ का 104 किलोग्राम सोना जब्त किया। खास बात यह है कि इस कार्रवाई में विभाग के 700 अधिकारी शामिल रहे और 24 घंटे तक 78 स्थानों पर छापेमारी कर बड़ी संख्या में सोने की जब्ती की। दरअसल केरल के जीएसटी विभाग को साल की शुरुआत से ही आभूषण निर्माताओं की ओर से जीएसटी धोखाधड़ी की शिकायत मिल रही थी। इसे लेकर पिछले छह महीने से जीएसटी टीमें जांच कर रहीं थीं। बुधवार शाम को जीएसटी टीमों ने अभियान शुरू किया। इस अभियान को टोर्रे डेल ओरो नाम दिया गया। इसका मतलब होता है सोने की मीनार। गुरुवार शाम तक चले इस अभियान के दौरान जीएसटी विभाग के 700 अधिकारियों ने आभूषण निर्माण इकाइयों, आभूषण निर्माताओं के घर समेत 78 स्थानों पर जांच की। बताया जाता है कि जांच के दौरान जीएसटी अफसरों ने 104 किलोग्राम सोना जब्त किया। जबकि बिलिंग और टैक्स प्रक्रिया में भी अनियमितताएं मिलीं। इसके अलावा 120 किलोग्राम सोने का कोई हिसाब नहीं मिला।

मप्र में दिख सकता है दाना चक्रवात का असर, गरजेंगे-बरसेंगे बादल

भोपाल। एमपी में बीते 24 घंटों के दौरान सभी संभागों में मौसम मुख्य तौर पर शुष्क ही रहा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान की बात करें तो सभी संभागों में कोई खास अंतर देखने को नहीं मिला। प्रदेश में सर्वाधिक तापमान खजुराहो (छतरपुर) में 35.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान को देखा जाए तो नमदार्पुरम के पंचमढ़ी में 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आने वाली 27 और 28 अक्टूबर को राज्य के दक्षिण पूर्वी और पूर्वी में कहीं-कहीं बारिश के साथ-साथ बिजली कड़कने की घटनाएं देखने को मिल सकती हैं। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर, 18.9 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 88 डिग्री पूर्वी देशांतर के पास अतितीव्र चक्रवाती तूफान दाना केंद्रित है। इस चक्रवात के लगातार पश्चिम-पश्चिमोत्तर दिशा में बढ़ने की संभावना है। इससे इस इलाके में मौसम के बदलने की संभावना

जताई जा रही है। 27 अक्टूबर को टीकमगढ़, सतना, पन्ना, दमोह, कटनी, उमरिया, जबलपुर, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा, सिवनी, अनूपपुर और शहडोल इलाकों में बारिश के आसार लगाए गए हैं। इसी दिन दक्षिणी हिस्सों में जैसे छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट और पांढुर्ना में बिजली चमकने की आशंका जताई गई है। वहीं इसके अगले दिन यानी 28 अक्टूबर को इन्हीं क्षेत्रों के आस-पास पिछले दिन की तुलना में अधिक मात्रा में बारिश बिजली चमकने की घटनाएं देखने को मिल सकती हैं।

इस बीच चक्रवाती तूफान दाना ओडिशा के और करीब पहुंच गया है। मौसम विभाग ने बताया है कि गुरुवार दोपहर को भीषण चक्रवाती तूफान दाना ओडिशा तट से 200 किलोमीटर के भीतर था। इसकी वजह से राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलनी शुरू हो गईं। मौसम विभाग ने कहा कि शुक्रवार तड़के ओडिशा में भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और धामरा बंदरगाह के बीच चक्रवात के आने की संभावना है, जिसमें हवा की गति 120 किलोमीटर प्रति घंटे (किमी प्रति घंटा) तक हो सकती है।

फिर से मिली 80 से ज्यादा विमानों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। भारतीय एयरलाइन कंपनियों को मिल रही बम की धमकियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। गुरुवार को भी तकरीबन 80 से ज्यादा विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसमें एयर इंडिया, विस्तारा, इंडिगो और अकासा एयर जैसे सभी विमान कंपनियां शामिल हैं। इंडिगो के 20 और अकासा एयर के 14 विमानों को गुरुवार को ऐसी धमकी मिली। पिछले 11 दिन में बम ब्लास्ट की लगभग 250 से अधिक धमकियां आ चुकी हैं। एक प्रेस नोट में इंडिगो ने बताया कि उसकी कई सारी उड़ानों पर सुरक्षा संबंधी धमकियां मिली हैं। अकासा एयर ने बताया कि उसकी भी कुछ उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिला, जो 24 अक्टूबर को उड़ान भरने वाली थीं। एयरलाइन कंपनी ने बताया कि अकासा एयर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम पर हर स्थिति पर नजर रख रही है। इसके साथ ही सिक्योरिटी और रेगुलेटर के अधिकारियों के साथ लगातार बातचीत की जा रही है। विमानों को लेकर आ रहे बम धमाकों की झूठी धमकियों को लेकर सिविल एविएशन मिनिस्ट्री कड़े कदम उठाने वाली है। इन घटनाओं को लेकर मंत्रालय बहुत जल्द सख्त नियम ला सकती है, जिसमें दोषियों को नो फ्लाई लिस्ट में डाला जा सकता है।

देश में एनवीडिया और रिलायंस मिलकर बनाएंगे एआई कम्प्यूटिंग का ढांचा

मुंबई। दुनिया की दिग्गज चिप निमार्ता कंपनी एनवीडिया मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ मिलकर भारत में आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस (एआई) से जुड़ी कंप्यूटिंग का बुनियादी ढांचा तैयार करेगी। इस दिशा में एक नवाचार केंद्र बनाने के लिए समझौता किया गया है। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रिलायंस इंडस्ट्रीज का नया डेटा सेंटर नवीनतम एनवीडिया ब्लैकवेल एआई चिप्स का उपयोग करेगा। एनवीडिया की भारत में छह जगहों पर पहले से ही मौजूदगी है। अमेरिकी फर्म एनवीडिया त्वरित कंप्यूटिंग स्टैक द्वारा संचालित एआई इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए उद्यमों, क्लाउड प्रदाताओं और स्टार्टअप्स के साथ मिलकर काम करती है। इसके संसाधनों में हजारों सबसे उन्नत जीपीयू, उच्च प्रदर्शन नेटवर्किंग, एआई सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म और टूल शामिल हैं।

खुफिया बाजार का बड़ा खिलाड़ी बनेगा भारत

मुंबई में एनवीडिया एआई शिखर सम्मेलन 2024 के दौरान अंबानी और हुआंग ने एआई के मामले में भारत की परिवर्तनकारी क्षमता और इस क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में इसकी उभरती भूमिका पर चर्चा की। रिलायंस और एनवीडिया के बीच साझेदारी का उद्देश्य भारत में एक मजबूत एआई बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। अंबानी का मानना है कि इससे न केवल स्थानीय क्षमताओं में वृद्धि होगी, बल्कि भारत वैश्विक खुफिया बाजार में भी एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित होगा।

मुकेश अंबानी बोले- भारत एक नए युग की दहलीज पर

फायरसाइड चैट के दौरान अंबानी ने कहा कि भारत एक नए खुफिया (इंटेलिजेंस) युग की दहलीज पर है और आने वाले वर्षों में खुफिया प्रौद्योगिकी के मामले में अपनी उपलब्धियों से दुनिया को आश्चर्यचकित कर देगा। उन्होंने कहा कि एआई जैसी नई प्रौद्योगिकियां और लोगों की आकांक्षाएं भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही हैं। अंबानी ने कहा, हम नए खुफिया युग के द्वार पर हैं। भारत सबसे बड़े खुफिया बाजारों में से एक होगा।

टीसीएस भी देगी एआई बेस्ड सेवाएं

देश की आईटी सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनी टीसीएस ने आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में बड़ा दांव चला है। टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज ने दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से एक एनवीडिया के साथ हाथ मिलकर नई बिजनेस यूनिट को लॉन्च किया है और इसके जरिए कई सेक्टर्स में एआई बेस्ड सेवाओं को मुहैया कराएगी जिससे उन्हें एडवांस्ड टेक्निकल सॉल्यूशंस मिल पाएंगे जो एआई की हेल्प से चलेंगे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को टीसीएस ने इस बात की जानकारी दे दी है और इसमें बताया गया है कि एनवीडिया के साथ टीसीएस ने बिजनेस यूनिट सेटअप के लिए हाथ मिला लिया है। इसके साथ एक प्रेस रिलीज भी जारी की गई है। टाटा समूह की कंपनी टीसीएस के आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में सबसे बड़ी कंपनी एनवीडिया के साथ हाथ मिलाने के बाद यह साफ है कि यहअलग-अलग इंडस्ट्रीज के लिए ऐआई सॉल्यूशंस प्रोवाइड कराएगी। इसमें मैन्यूफैक्चरिंग, बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज, टेलीकॉम, रिटेल वेयरहाउसिंग और ऑटोनॉमस व्हीकल्स के नाम शामिल हैं।

सिंगल कॉलम

पार्किंग में खड़ी कार से दंपति का आभूषण से भरा बैग चोरी, पुलिस कर रही जांच

इंदौर। इंदौर के रावजी बाजार इलाके में उज्जैन से आए दंपति की कार से आभूषण से भरा बैग चोरी हो गया। पुलिस ने इस मामले में सीसीटीवी फुटेज देखे लेकिन उन्हें कोई सुराग नहीं मिल सका, फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक मनीष पुत्र घनश्याम दास बजाज निवासी श्री विशाला देवास रोड़ उज्जैन की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता बताया कि उनकी कार में एक सफेद रंग का बैग था, जिसमें एक हार,दो सोने की अंगूठी वही अन्य आर्टिफिशियल ज्वेलरी, घड़ी व अन्य सामान रखा हुआ था। मनीष बजाज ने बताया कि वह सीमेंट सरिये का व्यापार करते है। पत्नी मोनिका बजाज को मंगलवार दोपहर उज्जैन से क्रेटा कार लेकर किराये के ड्रायवर सौरभ को लेकर इंदौर पहुंचे थे। यहां बॉम्बे अस्पताल में पत्नी मोनिका की जांच करवाई। इसके बाद दोपहर में आंनद बाजार आकर खाना खाया। इसके बाद साउथ तोड़ा आकर कार पार्किंग की। यहां पर ड्राइवर सौरभ को रूपए देकर नाश्ता करके आने का बोला। फिर पत्नी मोनिका को लेकर बर्तन बाजार चले गया। यहां शाम में वापस आकर ड्राइवर को कॉल किया, बाद में जंजीर वाला चौराहे पर दवाई लेने गए। इसके बाद सी-21 मोल पंप पर रुके। इसके बाद सेरटन होटल में पार्टी में जाने के लिये पिछली सीट पर रखा सफेद रंग का बैग देखा तो कार में नहीं दिखा। फिर कार की डिक्की में बैग चेक किया तो नही मिला। इसके बाद ड्राइवर को बैग को लेकर पूछा तो उसने जानकारी नहीं होने की बात कही। इसके बाद थाने में जानकारी दी। जहां पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे चेक करवाए लेकिन जानकारी नहीं मिली। इसके बाद पत्नी मोनिका को लेकर उज्जैन चले गए, बुधवार को वापस इंदौर आकर केस दर्ज कराया है।

सड़क किनारे लगी बिजली की डीपी में जा घुसा ऑटो, चालक की मौत

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर इलाके में बुधवार देर रात एक हादसे में ऑटो चालक की मौत हो गई। वह सड़क किनारे लगी बिजली डीपी में जा घुसा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के मोबाइल से परिवार को जानकारी दी। तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक प्रवीण(37) निवासी दुर्गा नगर पालदा बुधवार देर रात करीब 12 बजे सड़क हादसे का शिकार हो गया। तेजाजी नगर इलाके में स्थित होमगार्ड ऑफिस के पास डीपी में उसकी ऑटो रिक्शा टकराई हुई मिली। तत्काल एंबुलेंस से एमवाय भेजा। देर रात इलाज के दौरान यहां उसकी मौत हो गई। मृतक प्रवीण के परिवार में दो बेटियां, पत्नी व मां और छोटा भाई नीलेश है। परिवार के मुताबिक दो दिन पहले ही उसकी एमवाय से छुट्?टी हुई थी। आंखों के ऑपरेशन के लिए उसे यहां भर्ती किया गया था। परिवार को भी यह जानकारी नही थी कि वह ऑटो चलाने लगा था।

अब भाजपा आपराधिक छवि वाले सदस्यों को करेगी बाहर

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी के नए सदस्य बनाने के अभियान में इंदौर पहले स्थान पर आया है। इंदौर में सबसे ज्यादा सदस्य एक नंबर विधानसभा क्षेत्र में बने। इंदौर को पांच लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन सात लाख से ज्यादा सदस्य बनाकर इंदौर भाजपा ने एक रिकार्ड बना लिया। अब भाजपा अपने इन सदस्यों की वार्ड वार सूची तैयार कर रही है और उनकी जांच की जाएगी। आपराधिक छवि वाले लोगों की सदस्यता भाजपा रद्द कर देगी। भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने कहा कि भ्रम फैलाने के लिए कुछ कांग्रेस के कार्यकर्ता खुद ऑनलाइन तरीके से भाजपा के सदस्य बन गए हैं और अभियान को लेकर कुप्रचार की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें भी बाहर किया जाएगा। रणदिवे ने बताया कि भाजपा ने हर बूथ पर ढाई सौ से ज्यादा सदस्य बनाए हैं। इस बार सदस्य बनने के लिए अ?ोटीपी की अनिवार्यता थी। नए सदस्यों ने हम पर विश्वास कर मिस्ड कॉल करने के बाद अ?ोटीपी नंबर बताए और सदस्य बने। यह बताता है कि लोगों को भाजपा पर गहरा विश्वास है। मध्यप्रदेश में डेढ़ करोड़ सदस्य बने हैं। पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने कहा कि पहले चरण का सदस्यता अभियान 25 सितंबर तक चला। इसमें इंदौर में सात लाख सदस्य बनाए गए। अब सक्रिय सदस्यता अभियान जारी है। शहर के मेयर, सांसद, मंत्री, जनप्रतिनिधि सहित अन्य पदाधिकारियों को सदस्य बनाया जा रहा है। इंदौर में सदस्य बनाने की विधानसभावार जिम्मेदारी विजय मालानी, जवाहर मंगवानी, निरंजन सिंह चौहान गुड्डू, सुधीर देड़गे, दिलीप शर्मा को दी गई थी। भाजपा के सदस्यता अभियान 'संगठन पर्व' में इंदौर के जनप्रतिनिधियों ने भाजपा की सक्रियता सदस्यता लेना शुरू कर दिया है। इंदौर नगर अध्यक्ष गौरव रणदीवे, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला और विधायक गोलू शुक्ला सहित कई जनप्रतिनिधी पार्टी की सक्रिय सदस्यता अब तक ले चुके है। इंदौर 2 के विधायक रमेश मेंदोला ने भी पार्टी की सक्रिय सदस्यता ग्रहण की है।

पाकीजा शोरूम की छत पर बना अवैध गोडाउन नगर निगम ने हटाया

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के रीगल तिराहे पर स्थित पाकीजा शोरूम के अतिक्रमण हटाने गुरुवार सुबह साढ़े सात बजे प्रशासन और नगर निगम की टीम पहुंची। इस बिल्डिंग की छत का उपयोग गोडाउन के रुप में हो रहा था। अफसरों ने यहां से शेड हटाए और आठ हजार वर्गफीट की छत को कब्जे से मुक्त कराया। इसके अलावा बिल्डिंग पर कई वर्षों का संपत्तिकर भी बकाया था। इसके लिए भी शोरूम संचालक को नोटिस थमाया गया है। शोरूम से अतिक्रमण हटाने के लिए पहले निगम ने नोटिस दिया था, लेकिन मामला कोर्ट में चला गया था। बाद में नगर निगम ने नए सिरे से नोटिस दिया था,लेकिन दी गई मियाद के बावजूद

बिल्डिंग की छत से कब्जे नहीं हटाए गए। इसके चलते सुबह रिमूवल गैंग ने खुद कब्जे हटाने की शुरुआत की। सुबह साढ़े सात बजे 70 से ज्यादा श्रमिकों के साथ अमला मौके पर पहुंचा। अतिक्रमण छत पर किया गया था, इस कारण श्रमिक ज्यादा लगे। कुछ हिस्से में पक्का निर्माण भी किया गया था। जिसे हथौड़ों की मदद से तोड़ा गया। छत पर आठ हजार वर्गफीट से ज्यादा के हिस्से में शेड लगाकर कर अतिक्रमण किया गया था। दो घंटे के दौरान बाद छत से शेड हटाए गए और सामान को भी नीचे रख गया। इस बिल्डिंग के बेसमेंट का उपयोग भी कपड़ों के शोरूम के उपयोग में लाया जाता है और उसके आगे तक शेड लगाए गए है। अफसरों ने तय समय तक संपत्तिकर भी जमा करने के लिए कहा है। कर नहीं जमा करने की स्थिति में शोरूम सील करने की चेतावनी भी दी गई है। निगम अधिकारियों का कहना है कि पाकीजा का नक्शा ओपन टू स्काई तर्ज पर पास है, यानी मल्टी के बीच में बेसमेंट से लेकर ऊपर तक ऐसा निर्माण होना चाहिए, जिससे कि हर फ्लोर से आकाश दिखे। लेकिन पहले फ्लोर पर ही छत को पूरी तरह से पैक कर दिया गया है। यानी बेसमेंट पूरा कवर हो गया है, जो किसी घटना-दुर्घटना के हिसाब से जान-माल के लिए काफी घातक है। इस तरह बेसमेंट का पार्किंग की जगह व्यावसायिक उपयोग और बेसमेंट को पूरा कवर करना दो बड़े गैरकानूनी काम पाकीजा ने किए हैं।

दूसरा नोटिस जारी कर की कार्रवाई

जोन 11 में आने वाले पाकीजा शोरूम को बिल्डिंग ऑफिसर ने बेसमेंट के गलत उपयोग को लेकर क्लियर करने का नोटिस जारी किया था। इस नोटिस के खिलाफ पाकीजा ग्रुप के मंजूर हुसैन गोरी, रुकसाना, मकसूद हुसैन गोरी, शाहिदा बी, इकबाल हुसैन गोरी, रईसा बी, महबूब हुसैन गोरी, महरून बी ने हाईकोर्ट में याचिका लगा दी।

'तंत्र' की आड़ में महिलाओं का शोषण, खान बाबा गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में तंत्र क्रिया के नाम पर परेशान महिलाओं के शोषण का मामला सामने आया है। तांत्रिक खान बाबा परेशान महिलाओं को ताबीज बांधता था और फिर तांत्रिक क्रियाओं से उनकी परेशानी दूर करने का दावा करता था। बाद में वह महिलाओं को इन्हीं तांत्रिक क्रियाओं का डर दिखाकर उनका शोषण करता था। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक राजकुमार टेटवाल ने बताया कि मांगलिया गांव के अब्दुल रफीक (खान बाबा) की शिकायत मिली थी। एक महिला ने जानकार दी थी की बाबा ने उसके साथ छेड़खानी की और अश्लील हरकतें की। वह महिला पर संबंध बनाने का भी दबाव बना रहा है। यह सूचना मिलने पर कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे। बाबा ने ग्रामीण क्षेत्र में मजमा जमा रखा था। आसपास के कई गांवों की महिलाएं बाबा के पास परेशानियां लेकर आ रहीं थी। बाबा महिलाओं को बहला फुसला कर ताबीज बांधता था। पीड़ित महिला भी इसी तरह अपनी निजी समस्या लेकर बाबा के पास गई थी। बाबा ने पहले ताबीज बांधा फिर पैसे की डिमांड की। बाबा को पता था की महिला के पास अधिक पैसे नहीं हैं। महिला ने जब कहा कि वह पैसे नहीं दे पाएगी तो उसने महिला पर संबंध बनाने के लिए दबाव डाला। महिला ने विरोध किया तो बाबा ने कहा कि वह तंत्र क्रिया से उसके पूरे परिवार को खत्म कर देगा।

बाबा को पकड़कर पुलिस को सौंपा

टेटवाल ने बताया कि जब हमने उसका नाम पूछा तो उसने अपना नाम पीरू बाबा बताया। जब उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना नाम अब्दुल रजाक बाबा बताया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने उसे पकड़ा और मांगलिया पुलिस चौकी में सौंपा। पुलिस ने तुरंत मामले की सुनवाई की और धारा 354 और एसटी एक्ट के तहत एफ.आई.आर. दर्ज की। पुलिस कार्रवाई के दौरान संगठन के मानसिंह राजावत, तपन भोरजार, अमित चौरसिया, प्रथम गौर, मयंक और अन्य कार्यकर्ता भी वहां मौजूद थे।

यह बताया पुलिस ने

शिप्रा पुलिस के मुताबिक हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचकर महिला ने शिकायत की। वह ई-रिक्शा चलाने का काम करती है। तबीयत ठीक नही होने पर तीन दिन पहले एक सवारी ने मांगलिया गांव के अब्दुल रजाक बाबा के बारे में बताया था। उसे बताया गया था कि बाबा हर तरह की बीमारी और बाधा ठीक कर देता है। इसके बाद दवाइयां भी असर करने लगती है। महिला ने मंगलवार 22 अक्टूबर को शाम 4 बजे बाबा के घर जाकर परेशानी बताई। महिला ने पुलिस को बताया कि बाबा ने अगले दिन घर से गेहूं और नीबू साथ लेकर आने कहा। अगले दिन उपचार के दौरान बाबा ने अधिक पैसे खर्च होने की बात कही। पैसे नहीं होने पर मोबाइल पर बातचीत और उसकी बुलाई जगह पर आने को कहा। इसके बाद बाबा ने छेड़छाड़ कर गलत हरकत की। विरोध करने पर बाबा ने जान से मारने की धमकी दी। वहां से बचकर निकलने के बाद बुधवार देर रात हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं के साथ केस दर्ज कराया।

प्रॉपर्टी का व्यवसाय भी करता है बाबा

टेटवाल ने बताया कि बाबा पाखंड से कमाए अपने पैसों से प्रॉपर्टी का भी काम करता है। जब हम पहुंचे तो पता चला कि तमिल प्रॉपर्टी के नाम से भी उसने काम जमा रखा है। इसके साथ वह तंत्र मंत्र का काम भी करता है। टेटवाल ने कहा कि इस तरह के फर्जी बाबाओं से लोगों को खुद जागरूक रहना होगा।

बालोदा स्टेशन के पास रेलवे अंडरब्रिज के विरोध में उतरे किसान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल द्वारा मंडल के बालोदा स्टेशन के नजदीक बनाए जा रहे अंडरब्रिज क्रमांक 234 के निर्माण के लिए रेलवे ने रेलवे क्रॉसिंग रास्ते का गेट बंद कर दिया है। इससे इंदौर के आसपास के किसानों को अपने खेती किसानी के कार्य के लिए खेतों में जाने के लिए 15 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। इसे लेकर किसानों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। गौरतलब है कि बालोदा टाकून और आसपास के 10 गांवो के किसान इस अंडर ब्रिज बनाए जाने का विरोध कर रहे हैं। इसको लेकर किसानों ने रेलवे के अधिकारियों को भी ज्ञापन दिया था तथा होने वाली समस्याओं से अवगत कराया था। साथ ही कलेक्टर ने भी रेलवे को स्पष्ट तौर पर कहा था कि किसानों का रास्ता बंद नहीं होना चाहिए तथा जल जमाव भी नहीं होना चाहिए लेकिन रेलवे विभाग कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन किया।

सांवेर की तीन पंचायतों ने ली आपत्ति

किसानों ने बताया कि समीप ही बने एक और अंडर पास को देखकर होने वाली समस्या को समझा जा सकता है। अंडर ब्रिज के निर्माण को लेकर सांवेर तहसील की तीन पंचायत और 10 गांवों के ग्रामीणों ने आपत्ति की है लेकिन रेलवे द्वारा इस विरोध और आपत्ति को नजरअंदाज कर अंडर ब्रिज का निर्माण करने की कोशिश की जा रही है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता रामस्वरूप मंत्री, बबलू जाधव, चंदन सिंह बड़वाया, शैलेंद्र पटेल, लाखन सिंह डाबी और जितेंद्र पवार ने किसानों की समस्याएं सामने रखी। उन्होंने कहा कि रेलवे में अब तक जहां-जहां अंडर ब्रिज बनाए हैं वहां से आवागमन बाधित हो रहा है तथा पानी भर जाने से गाड़ियों से निकलना भी मुश्किल है। किसान भुक्तभोगी हैं इसलिए ही वे इस अंडरब्रिज के बनाए जाने का विरोध कर रहे हैं। इसलिए किसानों की परेशानी को देखते हुए इस अंडरब्रिज का निर्माण तत्काल रोका जाए।

किसान नेताओं ने कहा कि जहां-जहां ब्रिज बने हैं वहां वहां जल जमाव के अतिरिक्त अंधेरा भी रहता है, उससे कभी भी कोई घटना हो सकती है। संयुक्त किसान मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि अंडर ब्रिज का निर्माण करने की फिर भी कोशिश होती है किसान एकजुट होकर आंदोलन करेंगे।

अस्पतालों में अचानक पहुंचे कलेक्टर नहीं मिले कई डॉक्टर, कटेगा वेतन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने गुरुवार सुबह जिला अस्पताल का अचानक निरीक्षण किया। उपस्थिति रजिस्टर चेक करने पर 26 डॉक्टर्स में से 11 डॉक्टर्स अनुपस्थित मिले। इन डॉक्टरों के अस्पताल पहुंचने का समय सुबह 9 बजे है। इसी समय अस्पताल में ओपीडी भी शुरू होती है। आरएमओ डॉ. सतीश नीमा का एक माह के वेतन को राजसात किया जायेगा। आरएमओ जिला अस्पताल की जिम्मेदारी होती है की वे अस्पताल के डॉक्टर की उपस्थिति सुनिश्चित करें। आरएमओ को भी नोटिस जारी किया गया है। वहीं आयुष विंग के कुल 6 स्टाफ में से 3 अनुपस्थित पाए गए। तीन आयुष डॉक्टर्स भी अनुपस्थित मिले। नर्सिंग स्टाफ 39 में से 7 अनुपस्थित थे। कलेक्टर ने डॉक्टरों को समय पर आने के निर्देश दिए हैं। अन्यथा कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। कलेक्टर द्वारा जिला अस्पताल के निर्माण कार्य की भी समीक्षा के गई। कलेक्टर आशीष सिंह ने जिले के सभी

डॉक्टर्स और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ को निर्देश दिए हैं कि वे अपने निर्धारित समय पर अस्पताल में मौजूद रहें। निर्धारित समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने वाले स्टाफ के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद कलेक्टर ने पंचशील नगर तथा आजाद नगर स्थित संजीवनी क्लिनिक और आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। यहां 103 बच्चों में से केवल एक बच्चा ही आया था। आयुष विंग के आयुष विशेषज्ञ डॉ शीतल सोलंकी, चिकित्सक बख्तियार अशरफी, कंपाउंडर कांजीलाल दामले का एक एक दिन का वेतन काटा जाएगा। उन्हें शो कॉज नोटिस देने की कार्रवाई भी की जाएगी।

एक लाख की घूस लेते जूनियर इंजीनियर और कर्मचारी गिरफ्तार

बिजली कनेक्शन के लिए मांगी रिश्वत, लोकायुक्त ने की कार्रवाई

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में घरेलू बिजली कनेक्शन के लिए भी रिश्वत मांग ली गई। वह भी पूरे दो लाख रुपए। घूस की मागं से परेशान नागरिक ने लोकायुक्त पुलिस को शिकायत की और कंपनी के इंजीनियर को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार करवा दिया। इंजीनियर ने फरियादी से कहा था कि पहले एक लाख रुपए एंडवास देना होंगे और फिर काम पूरा होने के बाद एक लाख रुपए देना। जब आरोपी को लोकायुक्त पुलिस ने पकड़ा तो वह बहाने बनाने लगा कि उसने रिश्वत नहीं मांगी। यह तो आवेदन के लिए राशि ली है। प्रिंस यशवंत रोड निवासी चाणक्य शर्मा ने बिजली कंपनी के पुष्पेंद्र साहू जूनियर इंजीनियर के खिलाफ लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय को शिकायत की थी। इंजीनियर ने सुभाष चौक जोन कार्यालय पर पैसे लेकर फरियादी को बुलाया था। गुरुवार को पुष्पेंद्र साहू को उसके कार्यालय में पदस्थ आउटसोर्स से नियुक्त कर्मचारी अजहरुद्दीन कुरैशी के माध्यम से आवेदक चाणक्य शर्मा ने पहली किश्त के रूप में एक लाख रुपए दिए। जैसे ही शर्मा ने नोटों की गड्डी देकर इशारा किया तो लोकायुक्त पुलिस ने आकर अजहरुद्दीन और पुष्पेंद्र साहू को धरदबोचा। दोनों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम की धारा 7 व 61(2) बी के तहत केस दर्ज किया गया। आवेदक चाणक्य शर्मा ने लोकायुक्त एसपी को बताया था कि मकान नंबर 45 न्यू 34, पी.वाय.रोड पर तीन व्यवसायिक विद्युत कनेक्शन पूर्व से लगे हुए थे। आवेदक ने उस मकान में एक नए घरेलू विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदन विद्युत मंडल में दिया था। जूनियर इंजीनियर पुष्पेंद्र साहू द्वारा आवेदक के मकान का सर्वे करने के बाद कहा गया कि व्यवसायिक विद्युत कनेक्शन पैनल से एक घरेलू विद्युत कनेक्शन मिल जाएगा, लेकिन बदले में दो लाख रुपये की रिश्वत देना होगी।

गुरु पुष्य नक्षत्र पर दमका बाजार, सुबह से रात तक ग्राहकों बरसाया धन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में दीपावली का बाजार ग्राहकों से गुजलजार हो चुका है। गुरुवार को गुरु पुष्य नक्षत्र होने के कारण खूब ग्राहकी हुई। इस बार गुरु पुष्य नक्षत्र पर सर्वार्थ सिद्ध, अमृत सिद्ध, पारिजात, बुधादित्य और पर्वत योग भी रहा। इस कारण लोगों ने शोरूम और दुकानों में जाकर वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक सामान की बुकिंग की। सोने और चांदी के भाव ज्यादा होने के बावजूद सराफा में भी भी ग्राहक उमड़े। ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी रौनक रही। इंदौर में सैकड़ों की संख्या में कार व अन्य वाहनों की प्री बुकिंग हुई। अब ये वाहन धनतेरस या दीपावली पर ग्राहक ले जाएंगे। इस बार ईवी कारों की डिमांड भी ज्यादा नजर आई। शहर के परंपरागत बाजार राजवाड़ा, सराफा, एमटीएच कपाउंड में सुबह से रात तक भीड़ नजर आई। व्यापारियों ने भी सुबह दस बजे से ही संस्थान खोल लिए थे। सराफा बाजार में शगुन के रुप में सुबह ग्राहक सोना-चांदी खरीदने पहुंच गए थे। सराफा क्षेत्र की जमकर सजावट की गई। वहीं दुकानदारों ने कई ऑफर भी रखे थे। सराफा में सोना गुरुवार को 80 हजार रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 98 हजार रुपये प्रति किलो बिकी।

राजवाड़ा चौक के आसपास रेहड़ी वालों का बाजार

राजवाड़ा चौक के आसपास सप्ताह भर के लिए रेहड़ी वालों ने भी बाजार सजा लिया। फुटपाथ और सड़कों पर सजावटी और पूजन से जुड़ी वस्तुएं बेची गई। दीपावाली के तीन दिन पहले राजवाड़ा और आसपास के क्षेत्र को नो व्हीकल जोन बनाया जाएगा। उधर व्यापारियों ने शुभ मुर्हूत में बही खाते खरीदे और उनकी पूजा की।

बाजार खुलते ही पहुंचने लगे ग्राहक

इस बार अभिजीत मुहूर्त सुबह 11.48 बजे से था। इसके चलते सराफा, बर्तन बाजार आदि क्षेत्रों में 10.30 बजे दुकानें खुलना शुरू हुई। इसके बाद साफ - सफाई हुई और फिर दुकानदारों व कर्मचारियों ने साफ-सफाई करने के साथ सामान सजाना शुरू किया। कुछ देर बाद दुकानें, बाजार सज गए और ग्राहकों का आना शुरू हो गया।

लाइट वेट ज्वेलरी पर ज्यादा जोर

बाजार में इन दिनों ग्राहकों का रुख लाइट वेट ज्वेलरी पर ज्यादा है। इसके चलते दुकानों पर अंगूठियां, बिछिया, झुमके, बालियां, चेन, मंगलसूत्र सभी तरह की ज्वेलरी ज्यादा हैं। इसी प्रकार चांदी के भगवान की छोटी प्रतिमाएं, स्वस्तिक, शुभ-लाभ, ऊँ सहित अलग-अलग आइटम पसंद किए जा रहे हैं।

एक दिन पहले ही कुछ कम हुए सोने के भाव

सराफा व्यापारी अनिल बाहेती के मुताबिक, सराफा बाजार में इस बार ग्राहकों में काफी उत्साह है। एक कारण यह है कि बुधवार को ही सोने के भाव में कुछ कमी आई है। ग्राहक बजट अनुसार अपनी चीजें खरीद रहे हैं। चूंकि पुष्य नक्षत्र पर सोने की खरीदी का ज्यादा महत्व है, इसलिए लोग सोने की चीजें ज्यादा पसंद कर रहे हैं। अभी धनतेरस और दीपावली पर भी अच्छी ग्राहकी होगी।

बर्तन बाजार में भी रही भीड़

बर्तन बाजार में भी दोपहर बाद ग्राहकी बढ़ने लगी और रात तक जारी रही। दरअसल, राजबाड़ा क्षेत्र के सराफा और बर्तन बाजार में शाम के बाद ही ग्राहकी बढ़ती है और फिर देर रात तक पैर रखने की जगह ही नहीं रहती। शहर के नंदा नगर भी ज्वेलरी की दुकानों पर ग्राहकी शुरू हो चुकी थी। यहां भी शाम को ज्यादा ग्राहक रहती है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज के बेटे कार्तिकेय बोले-

पिता पद पर हैं तो शोभा नहीं देता कि मैं भी चुनाव लड़ूं...

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। बुधनी में चुनावी बिगुल बजने के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र के गोपलापुर और भेरूंदा में कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं राजनीतिक परिवार से हूं और आपके बीच लंबे समय से आ रहा हूं, मुझे पता है कि, पिता पद पर हैं तो यह शोभा नहीं देता कि मैं भी चुनाव लड़ूं। मुझे टिकट मिलना उचित नहीं है और मैं टिकट की लालसा के साथ भारतीय जनता पार्टी के लिए काम नहीं करता हूं। कार्तिकेय ने कहा कि क्षेत्र में भाजपा का विधायक होगा तो ही हम सभी का अस्तीत्व होगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार हम सभी को एक माला में पिरोकर रखते हैं। अगर इस क्षेत्र से विरोधी दल के नेता जीतकर आते हैं तो विकास की एक ईट भी नहीं लगेगी। हमने बुधनी में ऐतिहासिक चुनाव लड़े हैं और जीते हैं। यहां व्यक्तिगत चुनाव नहीं होते हैं, यहां व्यक्ति जरूरी नहीं है बल्कि बुधनी की जनता और कार्यकर्ता जरूरी हैं।

केंद्रीय नेतृत्व तक मेरा नाम पहुंचना ही काफी

कार्तिकेय ने कहा कि बुधनी के मेरे वरिष्ठों, कार्यकर्ताओं और साथियों ने केंद्रीय नेतृत्व तक मेरा नाम पहुंचाया है, मेरे लिए इतना ही काफी है, आपका इस प्यार और स्नेह के आगे मुझे स्वर्ग को सिंहासन भी फीका लगता है। मैं दोनों हाथ जोड़कर प्रदेश नेतृत्व, राष्ट्रीय नेतृत्व और आप सभी को प्रणाम करता हूं।

पार्टी का निर्णय उचित हैं, प्रचार में जुट जाएं

कार्तिकेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने बुधनी से रमाकांत भार्गव को अपना प्रत्याशी घोषित किया है, पार्टी का यह निर्णय उचित हैं। हम सभी कार्यकर्ता पूरी मेहनत और लगन के साथ प्रचार के काम में जुट जाएं और जीत के पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर भारतीय जनता पार्टी को यहां से प्रचंड जीत दिलाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि रमाकांत भार्गव काफी अनुभवी व्यक्ति हैं, उन्होंने शिवराज सिंह चौहान के साथ मिलकर क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई है।

बुधनी की जनता और कार्यकर्ता भाजपामय है

कार्तिकेय सिंह चौहान ने कहा कि, बुधनी भाजपा का गढ़ है, यहां की जनता और कार्यकर्ता भाजपामयी हैं। आगामी उपचुनाव में भी भाजपा एक प्रचंड जीत दर्ज करने जा रही है। पार्टी की परंपरा और संस्कार कहते हैं कि व्यक्ति मायने नहीं रखता है, विचार मायने रखता है, पार्टी ने फैसला किया है कि रमाकांत भार्गव यहां से चुनाव लड़ेंगे और हम सभी कार्यकर्ता पार्टी की जीत के लिए मजबूती से काम करेंगे। कार्तिकेय ने कहा कि हमें उतनी की कर्तव्यनिष्ठा से काम करना है जितनी कर्तव्यनिष्ठा से हमने शिवराज जी के लिए काम किया है। हमारा भाजपा परिवार हमेशा से एक रहा है। मैं दावे के साथ कहता हूं कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर खड़े हैं। बुधनी में जो रिकॉर्ड हमने पिछली बार बनाया था, उस रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि, जनता की सेवा की शुरुआत मैं 10 साल पहले ही कर चुका था, आज जिस तरह से पार्टी के लिए कार्य कर रहा हूं उसी तरह से आगे भी काम करता रहूंगा। मेरी कोई व्यक्तिगत महत्वकांक्षा नहीं है।

5 साल की नौकरी में आय से 900 गुना ज्यादा कमा ली संपत्ति, कोर्ट ने सुनाई सजा

रिश्वतखोरी में खाद्य निगम के अधिकारी को 5 साल की सजा, 4 करोड़ जुर्माना

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। 5 साल की नौकरी, जिसमें संपत्ति आय से 900 गुना ज्यादा कमा ली। भारतीय खाद्य निगम का यह अधिकारी कोई भी काम बिना रिश्वत करता ही नहीं था। यह खुलासा तब हुआ, जब एक बार सीबीआई की एसीबी भोपाल शाखा ने उसे एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद मामला सीबीआई कोर्ट पहुंचा और नाजायज कमाई का खुलासा हुआ। अब कोर्ट ने उस अधिकारी को 5 साल की सजा सुनाई है, जबकि साढ़े 4 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सीबीआई कोर्ट भोपाल के विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार शर्मा ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में निर्णय देते हुए भारतीय खाद्य निगम के संभागीय कार्यालय के अधिकारी किशोर मीणा को दोषी करार दिया है।

3.96 करोड़ से अधिक नकदी होगी राजसात

कोर्ट ने यह भी कहा है कि अधिकारी मीणा अगर जुर्माना अदा नहीं करता है तो एक साल के अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा होगी। इसके साथ ही आरोपी के आधिपत्य से बरामद नगद राशि 3.96 करोड़ से अधिक नकदी को राजसात करने का आदेश सुनाया है। दरअसल 27 मई 2021 को संदीप कपूर सिक्योरिटीज के फील्ड मैनेजर शिवदयाल द्विवेदी ने सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा भोपाल में शिकायत की थी।

शिकायत में उन्होंने बताया था कि भारतीय खाद्य निगम, संभागीय कार्यालय, भोपाल के अधिकारियों ने उनके लंबित बिलों के भुगतान के लिए रिश्वत की मांग की है। इसके बाद सीबीआई ने एफसीआई के अधिकारी अरुण कुमार श्रीवास्तव व मोहन पराते को शिकायतकर्ता से 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने जाल बिछाकर किया था गिरफ्तार

सीबीआई को पूछताछ में अरुण श्रीवास्तव व मोहन पराते ने खुलासा किया कि उन्होंने संभागीय प्रबंधक हरीश प्रकाश हिनौनिया के निर्देश पर यह रिश्वत राशि ली है। इसके बाद सीबीआई ने अरुण कुमार श्रीवास्तव को हरीश प्रकाश हिनौनिया को राशि देने के लिए भेजा। हिनौनिया ने उक्त रिश्वत राशि किशोर मीणा सहायक स्तर-क, को देने के लिए कहा। किशोर मीणा ने जैसे ही रिश्वत राशि ली, सीबीआई ने सभी आरोपियों अरूण कुमार श्रीवास्तव, मोहन पराते हरीश प्रकाश हिनौनिया व किशोर मीणा को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी में मिली अकूत संपत्ति

सभी आरोपियों की तलाशी हुई तो किशोर मीणा के पास 60,840 रुपए की अन्य नकदी भी बरामद हुई। इसके बाद सभी आरोपियों के आवासीय परिसरों की भी तलाशी ली गई। किशोर मीणा के घर में 3 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, 387 ग्राम सोने के आभूषण, 670 ग्राम चांदी के आभूषण एवं चल-अचल सम्पत्ति के दस्तावेज बरामद हुए थे।

सीबीआई कोर्ट में लंबित मामला

इस मामले में सीबीआई ने आरोपी अरूण कुमार श्रीवास्तव,मोहन पराते, हरीश प्रकाश हिनौनिया व किशोर मीणा के विरुद्ध अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था, उक्त प्रकरण सीबीआई न्यायालय में लंबित है।

छह रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा निशातपुरा आरोबी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल के लोगों को एक और बड़ी सौगात मिलने वाली है। निशातपुरा कोच फैक्ट्री के पास एक नया फ्लाई ओवर बनेगा। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने मौके पर जाकर लोकेशन का निरीक्षण किया है। यह फ्लाई ओवर 18 महीने में बनकर तैयार हो जाएगा। इस फ्लाई ओवर से भोपाल के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर, डीआरएम और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी उपस्थित रहे हैं। वहीं, यह आरोबी भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म एक द्वारका नगर से छोला तक पहुंचेगा। मंत्री ने बताया है कि देश की इंजीनियरिंग के लिए निशातपुरा आरोबी अनूठा उदाहरण पेश करेगा। मंत्री ने बताया है कि छह रेलवे ट्रैक को पार करने वाला यह देश का पहला आरोबी होगा। यह भोपाल के लोगों के लिए बड़ी सौगात होगी। निशातपुरा आरओबी का निर्माण 90 करोड़ रुपए की लागत से होगा। इससे बनने में 18 महीने का वक्त लगेगा। मंत्री ने बताया कि आरओबी की लंबाई 610 मीटर होगी। यह भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1 द्वारका नगर से खेड़ापति हनुमान मंदिर छोला तक पहुंचेगा। वहीं, इस आरओबी के निर्माण से लोगों को बड़ी राहत मिलने वाली है। भोपाल स्टेशन समेत करोंद, विदिशा और नए भोपाल की कनेक्टिविटी सुधर जाएगी। साथ ही गाड़ियों का 15 किमी का चक्कर कम हो जाएगा। इससे भोपाल के 15 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि यह आरओबी रेलवे और राज्य की सरकार के सहयोग से बन रहा है। प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल चुकी है। जल्द ही भूमिपूजन आयोजन किया जाएगा। भोपाल के लोगों की यात्रा सुगम बनाने के लिए शहर में कई विकास कार्य चल रहे हैं। इसमें मेट्रो भी शामिल है। मंत्री सारंग ने बताया, यह भोपाल वासियों के लिये बड़ी सौगात होगी। इसके निर्माण से पुराने व नए भोपाल के साथ विदिशा, बैरसिया समेत आसपास के क्षेत्रों से रोड कनेक्टिविटी बेहतर होगी। उन्होंने कहा, मेरे विधानसभा क्षेत्र नरेला में कई ब्रिज बनवा रहा हूं, लेकिन यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है। निरीक्षण के दौरान रेलवे और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी मौजूद थे।

दिवाली पर मोहन सरकार बड़ा तोहफा

अब पेसा मोबिलाइजर को 8,000 रुपए मिलेगा मानदेय

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने दिवाली से पहले पेसा मोबिलाइजर को बड़ा तोहफा दिया है। यह आदिवासी बहुल इलाकों के ग्राम पंचायतों में होते हैं। मध्य प्रदेश में करीब 20 आदिवासी बहुल जिले हैं, जिनमें पेसा मोबिलाइजर की नियुक्ति ग्राम सभाओं में हुई है। इन्हें अभी चार हजार रुपए का मानदेय मिलता है। विजयपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले सरकार ने इनकी मानदेय बढ़ाने की घोषणा कर दी है। सरकार ने सीधे इनका मानदेय डबल कर दिया है। दरअसल, हर ग्राम पंचायत में एक पेसा मोबिलाइजर होते हैं। सीएम मोहन यादव ने गुरुवार को मानदेय बढ़ाने की घोषणा की है। सीएम ने एक्स पर लिखा है कि जनजातीय क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन पेसा मोबिलाइजर करते हैं। इन्हें अभी तक चार हजार रुपए का मानदेय मिलता था। सरकार ने इसे बढ़ाकर अब 8,000 रुपए करने का निर्णय लिया है। मानदेय में बढ़ोतरी के बाद सीएम ने सभी पेसा मोबिलाइजर को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही सीएम मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम जनजातीय वर्ग के कल्याण हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्यरत हैं। पेसा मोबिलाइजर आदिवासी बहुल हर ग्राम सभा में होते हैं। मध्य प्रदेश में इसके अंतर्गत करीब 20 जिले आते हैं। साथ ही मध्य प्रदेश में पेसा मोबिलाइजर की संख्या 5,000 हजार से अधिक हैं। गौरतलब है कि पेसा मोबिलाइजर के मानदेय को विजयपुर उपचुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। विजयपुर मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में आता है। यह आदिवासी बाहुल है। जिले के हर पंचायतों में पेसा मोबिलाइजर हैं। ऐसे में सरकार की घोषणा से जनजातीय समुदाय के लोग प्रभावित हो सकते हैं। पेसा मोबिलाइजर की ग्राम सभा में बड़ी भूमिका होती है। साथ ही ग्राम सभाओं के विकास कार्यों में यह अहम रोल अदा करते हैं।

4 साल की बच्ची ने दिखाई बहादुरी खुद को 'हैवान' से छुड़ाया

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। एक पिता नशा करके घर में पड़ा रहा, उधर पड़ोसी हैवान उसकी 6 साल की बेटी को घर ले गया। वहां उसने मौका पाकर बच्ची से अश्लील हरकत करना शुरू कर दिया। वह इससे ज्यादा कुछ कर पाता कि इससे पहले ही बच्ची ने बहादुरी दिखाई और अपने आप को उस हैवान की गिरफ्त से न सिर्फ आजाद किया बल्कि वहां से भागकर अपने घर लौटने में कामयाब रही। घटना राजधानी भोपाल के शाहजहांनाबाद इलाके की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। जबकि मासूम का पिता नशे में घर में आराम से सो रहा था। मौके का फायदा उठाकर आरोपी राजू ओसवाल बच्ची को जबरन अपने कमरे में ले गया। वहां उसने बच्ची के साथ अश्लीलता शुरू कर दी। मासूम पहले तो कुछ समझ नहीं पाई पर जैसे ही उसे उस हैवान के बुरे इरादों का अंदाजा हुआ उसने डरने की बजाए लड़ना चुना और आरोपी अपने साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते हुए आरोपी के चुंगल से छूटने में कामयाब रही। पहले उसने अपने हाथ पैर चलाए जब कामयाब नहीं हुई तो आरोपी के हाथ पर काटकर उसकी पकड़ से आजाद फिर और उसके घर का गेट खोल अपने घर भाग आई। जिसके बाद सारा मामला सामने आया।

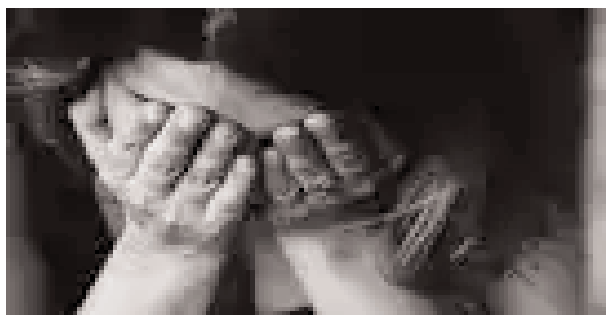

घर पहुंचते ही मासूम ने सबसे पहले अपनी बुआ को गंदी हरकत के बारे में बताया। इसके बाद बच्ची की मां काम से लौटी और पिता के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट, बंधक बनाने सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज किया है। इस घटना के बाद लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है। पुलिस के अनुसार बच्ची पहली कक्षा की छात्रा है। बच्ची की मां और पिता मजदूरी करते हैं। पड़ोसी आरोपी राजू ओसवाल भी इस परिवार के पड़ोस में ही रहता है, वह पुताई का काम करता है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बीमा कंपनी की महिला अधिकारी की संदिग्ध हालत में मौत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल की अवधपुरी में रहने वाली एक जनरल इंश्योरेंश कंपनी की महिला अधिकारी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसकी लाश किराए के कमरे से बरामद हुई है। मृतका के मुंह से झाग निकले थे और कमरे में वह अर्धनग्न हालत में उल्टी पड़ी थी, लेकिन किसी प्रकार के जहर की शीशी अथवा रैपर मौके से नहीं मिला है।

कोई सुसाइड नोट भी कमरे से नहीं बरामद हुआ है। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। जानकारी के अनुसार नेहा विजयवर्गीय (36) मूलतः राजगढ़ की रहने वाली थी।

पीएम जन-मन योजना में मध्यप्रदेश ने पूरा कर लिया 100 प्रतिशत काम

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश का नाम एक बार फिर केंद्र स्तर पर चर्चा में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महात्वाकांक्षी योजना में प्रदेश ने 100 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। प्रदेश ने जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) योजना में 5 लाख 46 हजार 335 व्यक्तियों के जन-धन बैंक खाते खोले हैं। खास बात यह है कि यह आंकड़ा लक्ष्य की शत-प्रतिशत उपलब्धि है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने जन-धन बैंक खाते खोलने के लिये 5 लाख 46 हजार 335 व्यक्तियों को चिन्हित किया गया था। इसके लिये 40 लाख 35 हजार 376 व्यक्तियों को पात्र पाया गया था। खाते खोलने के अलावा अब तक 37 लाख 65 हजार 294 पीवीटीजी व्यक्तियों (लक्ष्य के विरुद्ध 93.31 प्रतिशत उपलब्धि) को सभी प्रकार की हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ मिल चुका है।

क्या है पीएम जन—मन योजना

पीएम जन-मन के अन?तर्गत मध्यप्रदेश के चिन्हित 24 जिलों में निवासरत बैगा, भारिया एवं सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति समूह की सम्पूर्ण आबादी के लिए संचालित है। भारत सरकार के 9 मंत्रालयों की 11 चिन्हित अधोसंरचना एवं विकासमूलक गतिविधियों एवं 7 हितग्राहीमूलक योजनाओं के घर पहुंच लाभ प्रदाय पर केन्द्रित एक महा अभियान है।

क्या है इस योजना का उद्देश्य

इसके तहत मध्य प्रदेश में करीब 7 हजार 300 करोड़ रुपए व्यय कर इन 3 विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र कल्याण के लिये कारगर कदम उठाकर इन सभी को आधुनिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। योजना के तहत 1.04 लाख व्यक्तियों को आवास निर्माण की राशि मिली है जिसके तहत 31 हजार 719 आवास बनकर तैयार हो चुके हैं। पीवीटीजी के लिये आवास योजना के अंतर्गत 1 लाख 38 हजार 826 हितग्राहियों को पक्के आवास मंजूर किये गये हैं।

सम्पादकीय

कश्मीर में आतंकियों के स्थानीय मददगार आज भी जिंदा

यकीनन हमारे सुरक्षाकर्मियों और रणनीतियों ने आतंकवाद के घुटने तोड़े हैं, लेकिन गगनगीर के हमले ने हमें चिंतित कर सोचने को बाध्य कर दिया है। दरअसल कश्मीर का 'नूर' और 'जन्नत' उसी दिन लौटेंगे, जब लश्कर-ए-तोइबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे पाकपरस्त आतंकी संगठनों के स्थानीय गिरोह और मॉड्यूल बनना और आतंकी साजिशों में शामिल होना बंद कर देंगे। आतंक के स्थानीय मददगार आज भी जिंदा हैं और कश्मीरियत के बीच ही बसे हैं। पैसे ने 'नए जयचंद' भी पैदा कर दिए हैं। चूंकि 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है, लिहाजा साफ है कि स्थानीय मददगार आतंकियों के साथ हैं।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में 20 अक्टूबर की शाम टनल कंस्ट्रक्शन में लगे मजदूरों पर आतंकवादियों ने नाटो असॉल्ट राइफल एम-4 से हमला किया था। बेहद एडवांस इस राइफल का इस्तेमाल अमेरिकी सेना करती है। एक्सपर्ट मानते हैं कि इससे एक मिनट में 970 गोलियां दागी जा सकती हैं और इतने के बाद भी राइफल गर्म नहीं होती। जांच में जुटे सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की एक फुटेज भी मिली है, जिसमें 2 आतंकी दिखे हैं। हालांकि हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों की संख्या 2 से 3 बताई जा रही है। कैमरे में कैद हुए आतंकियों की तलाश में कई जगह दबिश दी जा रही है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में गांदरबल मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का चुनाव-क्षेत्र है, जिसके गगनगीर इलाके में आतंकियों ने हमला कर एक डॉक्टर और 6 अन्य कर्मियों, मजदूरों की हत्या कर दी थी। यह भारत सरकार, संघशासित क्षेत्र की सरकार के लिए पहली, गंभीर चुनौती है। आतंकवाद अपनी समग्रता में ही 'राष्ट्रीय चुनौती' रहा है। हालांकि आज वह आतंकवाद नहीं है, जब एक दौर में 1508 नागरिकों और 883 जांबाज जवानों को मार दिया गया था। तब एक दौर में 2800 से अधिक आतंकी हमले हुए थे। आतंकवादी भी व्यापक स्तर पर ढेर किए गए। यकीनन हमारे सुरक्षाकर्मियों और रणनीतियों ने आतंकवाद के घुटने तोड़े हैं, लेकिन गगनगीर के हमले ने हमें चिंतित कर सोचने को बाध्य कर दिया है। दरअसल कश्मीर का 'नूर' और 'जन्नत' उसी दिन लौटेंगे, जब लश्कर-ए-तोइबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे पाकपरस्त आतंकी संगठनों के स्थानीय गिरोह और मॉड्यूल बनना और आतंकी साजिशों में शामिल होना बंद कर देंगे। आतंक के स्थानीय मददगार आज भी जिंदा हैं और कश्मीरियत के बीच ही बसे हैं। पैसे ने 'नए जयचंद' भी पैदा कर दिए हैं। चूंकि 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है, लिहाजा साफ है कि स्थानीय मददगार आतंकियों के साथ हैं। सरकार ने टीआरएफ को आतंकी संगठन करार दिया है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में वह लश्कर का मुखौटा संगठन है। हमले का मास्टरमाइंड सरगना शेख सज्जाद गुल बताया गया है और वह पाकिस्तान में मौजूद है, लिहाजा साफ है कि लश्कर आज भी कश्मीर में आतंकवाद मचा रहा है। 'स्थानीय जयचंदों' को कुचला क्यों नहीं जा सकता, यह एक सहज सवाल है। बेशक आतंकवाद से जुड़े आंकड़े बहुत कम हुए हैं, लेकिन तीन साल के दौरान 22 लक्षित हत्याएं फिर भी की गई हैं। इनमें 16 बाहरी, गैर-कश्मीरी, एक कश्मीरी पंडित और 3 अन्य स्थानीय लोगों को मारा गया है। इतने परिवार बर्बाद हुए। जिंदगियां बिखर कर रह गईं। 2024 में अभी तक 12 लोग लक्षित आतंकवाद के शिकार हो चुके हैं। यह आतंकवाद की ऐसी रणनीति है कि हमले के निशाने तय कर लिए जाते हैं, बाकायदा रेकी की जाती है और फिर एक दिन उन निशानों या लक्ष्यों पर हमला बोल दिया जाता है। सभी मृतक एक सुरंग के निर्माण-कार्य में लगे थे। एकमात्र डॉ. शाहनवाज डार को मजदूरों, कर्मियों की सेहत की देखभाल को कुछ ही दिन पहले नियुक्त किया गया था। लक्षित आतंकवाद ने किसी को भी नहीं छोड़ा। जिनकी हत्या कर दी गई, उनमें जम्मू-कश्मीर के अलावा पंजाब और बिहार आदि राज्यों के नागरिक भी थे। ऐसा भी लगता है कि बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार भी आतंकियों की आंखों में चुभते हैं, लिहाजा वे भी निशाने पर हैं। गांदरबल हमले को भी जोड़ लें, तब भी इस साल कश्मीर की 48 घटनाओं में कुल 102 लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 52 आतंकी भी शामिल हैं। लक्षित आतंकवाद कोई नई प्रवृत्ति नहीं है। बहरहाल इस आतंकी हमले ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला के अंतर्मन को इस कदर झकझोरा है कि वे पाकिस्तान पर ही उबल पड़े और बार-बार कहा कि कश्मीर कभी भी पाकिस्तान नहीं बनेगा, नहीं बनेगा।

जटिल और अनुठा है अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव प्रणाली, विशेष रूप से इलेक्टोरल कॉलेज, को पिछले कुछ वर्षों में आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। आलोचकों का मानना है कि लोकप्रिय वोट और इलेक्टोरल वोट के बीच विसंगतियों के कारण किसी उम्मीदवार के लिए राष्ट्रीय लोकप्रिय वोट जीते बिना राष्ट्रपति पद जीतना संभव है, जैसा कि 2000 और 2016 के चुनावों में हुआ था। इससे कुछ लोगों का तर्क है कि इलेक्टोरल कॉलेज पुराना और अलोकतांत्रिक है। आलोचकों का यह भी तर्क है कि इलेक्टोरल कॉलेज कुछ स्विंग राज्यों को बहुत अधिक शक्ति देता है, जिससे अधिकांश राज्य चुनाव में कम प्रासंगिक हो जाते हैं।

विश्व के सबसे शक्तिशाली देश संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे शक्तिशाली पद राष्ट:पति के लिए देश का 60वां चुनाव अगामी 5 नवंबर मगंलवार को होने जा रहा है। चूकि अमरीकी राष्ट्रपति सारी विश्व व्यवस्था को प्रभावित करता है इसलिए सारा विश्व बेसब्री से इंतजार कर रहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प और कमला हैरिस में से कौन अगले चार साल के लिए दुनिया को हांकने जा रहा है। आगामी 5 नवंबर को प्रत्येक राज्य और कोलंबिया जिले के मतदाता निर्वाचक मंडल के लिए निर्वाचकों का चयन करेंगे, जो फिर चार साल की अवधि के लिए राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चुनाव करेंगे। भारत के संसदीय लोकतंत्र से भिन्न अमेरिका की राष्ट्रपति चुनाव प्रणाली एक जटिल और अनूठी प्रक्रिया है। संविधान के अनुसार यह प्रणाली प्राइमरी, राष्ट्रीय सम्मेलन और इलेक्टोरल कॉलेज के विभिन्न चरणों से गुजरेगी। भारत में सामान्यत॒ पार्टी नेतृत्व मतदाताओं पर प्रत्याशी थोपते हैं लेकिन अमेरिका में उम्मीदवारी के लिए भी चुनाव जीतना होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद की राह प्राइमरी और कॉकस से शुरू होती है, जो प्रत्येक राज्य में आयोजित की जाती है। ये चुनाव और बैठकें उन प्रतिनिधियों का चयन करने के लिए होती हैं जो पार्टियों के राष्ट्रीय सम्मेलनों में उम्मीदवारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह प्रक्रिया, आमतौर पर चुनावी वर्ष के जनवरी से लेकर गर्मियों के मध्य तक चलती है। प्राइमरी के लिए प्रत्यक्ष चुनाव होते हैं जिसमें पंजीकृत मतदाता अपने पसंदीदा उम्मीदवार के लिए मतदान करते हैं। प्राइमरी खुली हो सकती है (इसमें पार्टी से जुड़े सभी मतदाताओं को भाग लेने की अनुमति होती है) या फिर केवल पंजीकृत पार्टी सदस्यों तक सीमित हो सकती है। इसी तरह कॉकस स्थानीय सभाओं या बैठकों की तरह होते हैं, जहां पार्टी के सदस्य खुलकर चर्चा करते हैं और अपने पसंदीदा उम्मीदवार के लिए वोट करते हैं। वे आम तौर पर कम औपचारिक होते हैं और उनमें सामुदायिक चर्चाएं शामिल होती हैं। प्राइमरी और कॉकस का लक्ष्य राष्ट्रीय पार्टी सम्मेलनों के लिए प्रतिनिधियों का चयन करना है। एक उम्मीदवार द्वारा जीते गए प्रतिनिधियों की संख्या अकसर राज्य के नियमों पर निर्भर करती है, कुछ राज्य आनुपातिक रूप से प्रतिनिधियों को तय करते हैं और अन्य विजेता-सभी-ले-जाओ प्रणाली का उपयोग करते हैं।

प्राइमरी और कॉकस के बाद प्रत्येक पार्टी (मुख्यत॒ डेमोक्रैट और रिपब्लिकन) आम चुनाव से पहले गर्मियों में एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करती है। इन सम्मेलनों का उद्देश्य राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के लिए आधिकारिक रूप से पार्टी उम्मीदवार को नामित करना। सम्मेलन का उद्देश्य पार्टी प्लेटफॉर्म में देश के लिए पार्टी की नीतियों और लक्ष्यों को रेखांकित करना और अकसर विवादास्पद प्राथमिक सत्रों के बाद पार्टी को एकजुट करना होता। सम्मेलन में प्रतिनिधि प्राइमरी और कॉकस के परिणामों के आधार पर अपने समर्थित उम्मीदवार के लिए वोट देते हैं। एक बार जब कोई उम्मीदवार प्रतिनिधियों का बहुमत हासिल कर लेता है तो वह आधिकारिक तौर पर पार्टी का उम्मीदवार बन जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय सम्मेलनों के बाद प्रत्येक पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार आम चुनाव के लिए अपना अभियान शुरू करते हैं। इस चरण में चुनावी बहसें, प्रचार अभियान और विज्ञापन प्रचार शामिल होता है। परम्परानुसार चुनावी वर्ष में राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति पद की बहसें शरद ऋतु में आयोजित की जाती हैं जिससे उम्मीदवारों को अपनी नीतियों को प्रस्तुत करने और अपने विरोधियों को चुनौती देने का अवसर मिलता है। इसी दौर में उम्मीदवार अपने समर्थकों को एकजुट करने, मीडिया में आने और धन जुटाने के लिए पूरे देश में यात्रा करते हैं। इस चुनाव में पारंपरिक और डिजिटल विज्ञापन दोनों ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि उम्मीदवार अपने संदेशों के साथ मतदाताओं तक अपना लक्ष्य और कार्यक्रम रखते हैं। आम चुनाव अभियान एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अवधि होती है जहाँ उम्मीदवार अनिर्णीत मतदाताओं को जीतने की कोशिश करते हैं। अन्य अमेरिकी चुनावों में मतदाताओं द्वारा उम्मीदवारों का चुनाव सीधे लोकप्रिय वोट से होता है। लेकिन राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चुनाव सीधे नागरिकों द्वारा नहीं किया जाता। इसके बजाय उन्हें इलेक्टोरल कॉलेज (निर्वाचक मंडल) प्रक्रिया के माध्यम से चुना जाता है। प्रत्येक राज्य को उतने ही निर्वाचक मिलते हैं जितने उसके पास कांग्रेस (हाउस और सीनेट) के सदस्य हैं। उदाहरण के लिए, सबसे अधिक आबादी वाले राज्य कैलिफोर्निया में 55 इलेक्टर (53 प्रतिनिधि और 2 सीनेटर) हैं, जबकि व्योमिंग जैसे छोटे राज्यों में 3 इलेक्टर (1 प्रतिनिधि और 2 सीनेटर) हैं।

वाशिंगटन, डीसी के तीन इलेक्टर को मिलाकर, वर्तमान में कुल 538 इलेक्टर हैं और राष्ट्रपति बनने के लिए किसी उम्मीदवार को 270 निर्वाचक मतों का बहुमत जीतना होता। आगामी 5 नवम्बर को चुनाव के दिन संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सभी नागरिक अपने पसंदीदा राष्ट्रपति उम्मीदवार को सीधे वोट देने के बजाय तकनीकी रूप से वे अपने पसन्दीदा उम्मीदवार के लिए प्रतिबद्ध निर्वाचक के स्लेट के लिए वोट करेंगे। फिर दिसंबर में इलेक्टर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के लिए वास्तविक वोट डालने के लिए अपने-अपने राज्यों में मिलेंगे। निर्वाचकों में 435 सदस्य प्रतिनिधि सभा से, प्रत्येक राज्य से दो-दो सीनेटर और 3 निर्वाचक कोलंबिया जिले से चुने जाते हैं। अधिकांश राज्यों में लोकप्रिय वोट जीतने वाले उम्मीदवार को राज्य के सभी इलेक्टोरल वोट मिलते हैं (विजेता-सभी-लेता-है प्रणाली), मेन और नेब्रास्का को छोड़कर, जो अपने वोट आनुपातिक रूप से आवंटित करते हैं। इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम की वजह से स्विंग स्टेट्स (जिन्हें बैटलग्राउंड स्टेट्स भी कहा जाता है) चुनाव के नतीजे को प्रभावित करने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। ये ऐसे राज्य हैं जहाँ वोट रिपब्लिकन या डेमोक्रेट किसी के भी पक्ष में जा सकते हैं। उम्मीदवार अक्सर अपने अभियान के ज्यादातर प्रयासों को इन राज्यों पर केंद्रित करते हैं, क्योंकि उन्हें चुनाव जीतने के लिये 270 इलेक्टोरल वोट हासिल करने बहुत जरूरी हैं। ऐतिहासिक रूप से फ्लोरिडा, पेंसिल्वेनिया, मिशिगन, विस्कान्सिन ऐरिजोना और जार्जिया जैसे स्विंग स्टेट्स राष्ट्रपति चुनावों में निर्णायक रहे हैं। इन राज्यों में राजनीतिक संतुलन चुनाव दर चुनाव बदल सकता है जिससे वे अप्रत्याशित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं। राष्ट्रपति पद का फैसला अंतत॒ इलेक्टोरल वोट द्वारा किया जाता है। चुनाव दिवस पर देश भर के मतदाता अपने मतपत्र तो डालते हैं लेकिन परिणाम आधिकारिक तौर पर तब तक अंतिम रूप नहीं दिए जाते जब तक कि इलेक्टोरल कॉलेज की बैठक नहीं हो जाती। जबकि लोकप्रिय वोट महत्वपूर्ण हैं।

यदि किसी भी उम्मीदवार को इलेक्टोरल वोटों (270) का बहुमत प्राप्त नहीं होता है, तो प्रतिनिधि सभा चुनाव का फैसला करती है। जिसमें प्रत्येक राज्य प्रतिनिधिमंडल के पास एक वोट होता है। ऐसी स्थिति अमेरिकी इतिहास में केवल कुछ ही बार आई है। नव निर्वाचित राष्ट्रपति का उद्घाटन अगले वर्ष 20 जनवरी को उस दिन होगा जिसे उद्घाटन दिवस के रूप में जाना जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव प्रणाली, विशेष रूप से इलेक्टोरल कॉलेज, को पिछले कुछ वर्षों में आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। आलोचकों का मानना है कि लोकप्रिय वोट और इलेक्टोरल वोट के बीच विसंगतियों के कारण किसी उम्मीदवार के लिए राष्ट्रीय लोकप्रिय वोट जीते बिना राष्ट्रपति पद जीतना संभव है, जैसा कि 2000 और 2016 के चुनावों में हुआ था। इससे कुछ लोगों का तर्क है कि इलेक्टोरल कॉलेज पुराना और अलोकतांत्रिक है।

आलोचकों का यह भी तर्क है कि इलेक्टोरल कॉलेज कुछ स्विंग राज्यों को बहुत अधिक शक्ति देता है, जिससे अधिकांश राज्य चुनाव में कम प्रासंगिक हो जाते हैं। यह प्रणाली दो-पक्षीय प्रणाली का बहुत अधिक समर्थन करती है, जिससे तीसरे पक्ष के उम्मीदवारों के लिए चुनावी वोट जीतना या परिणाम को प्रभावित करना मुश्किल हो जाता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, इलेक्टोरल कॉलेज अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव प्रणाली की आधारशिला बना हुआ है, और इस प्रक्रिया में किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव के लिए संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता होगी।

आखिर हमारे सामने क्यों झुकता दिख रहा चीन?

लद्दाख सीमा पर गश्ती को लेकर भारत और चीन के बीच सहमति बन तो गई है, लेकिन उस पर आंख मूंदकर भरोसा करना जल्दबाजी और नासमझी होगी। अतीत में चीन के रवैये को देखते हुए भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह कहना समीचीन ही है कि भरोसा बहाली में समय लगेगा। रूस-यूक्रेन और इजराइल-हिजबुल्ला संघर्ष के संदर्भ में भारत और चीन के बीच हुए इस समझौते को बेहतर परिणति ही माना जाना चाहिए। 15 और 16 जून 2020 की रात को बिना हथियारों के भारतीय सैनिकों ने लाल सेना के भले ही दांत खट्टे कर दिए, लेकिन भारतीय विपक्षी दलों ने उस मौके को उत्तेजना की राजनीति के लिए बेहतर मौके के रूप में लिया था। महज एक साल पहले ही तमिलनाडु में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चर्चित मुलाकात का हवाला देते हुए विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की थी। उनकी मंशा चीन के साथ सीधा युद्ध करने के लिए सरकार को उकसाना रहा। बेशक 1962 जैसी स्थिति नहीं रही। तब से लेकर भारत ने सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर लंबा सफर तय कर लिया है। वहीं चीन इस अवधि में दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आर्थिक मोर्चे के लिहाज से देखें तो भारत पांचवें नंबर पर है और सैनिक ताकत के लिहाज से देखें तो चौथे नंबर है। चीन दुनिया के तीसरे नंबर की सैन्य शक्ति है। ऐसे में सीधी सैनिक कार्रवाई की अपनी सीमाएं थीं। इसलिए विपक्षी दलों के तमाम उलाहनों और उकसावों के बावजूद मोदी सरकार ने कूटनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर चीन को घेरना शुरू किया। इसका मतलब यह नहीं कि सीमा पर सैन्य चौकसी कम की गई या सेना को कार्रवाई की छूट नहीं दी गई। गलवान के बाद जब भी जरूरत पड़ी, आधुनिक हथियार विहीन हमारे सैनिकों ने लाल सेना को आगे बढ़ने नहीं दिया।

गलवान कांड के बाद भारत ने चीन के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए। उसमें सबसे पहला कदम यह रहा कि चीन के लिए सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। गलवान कांड के बाद से ही पड़ोसी होने के बावजूद दोनों देशों के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। इस बीच चीन को आर्थिक मंदी का भी सामना करना पड़ा है। चीन को लगता है कि अगर भारत के साथ उसके कारोबारी रिश्ते बढ़ेंगे, तभी वह आर्थिक मोर्चे पर आगे रह सकता है। इसके लिए सीधी उड़ानें एक बड़ा जरिया हो सकती हैं। इसलिए सीमा पर विवाद के बावजूद वह भारत पर गाहे-बगाहे सीधी उड़ान सेवा बहाल करने के लिए कहता रहा है। वह यात्रियों के लिए सीधी उड़ान के साथ ही उनकी संख्या बढ़ाने पर भी जोर देता रहा है। लेकिन भारत ने इसकी लगातार उपेक्षा की। भारत ने एक और कड़ा कदम उठाया। चीन के लिए सख्त वीजा नियम लागू कर दिए। चीनी नागरिकों के लिए सख्त वीजा नियम होने की वजह से चीन के विशेष इंजीनियरों और तकनीशियनों की भारत में आवाजाही पर एक तरह से पाबंदी ही लग गई। इसकी वजह से चीनी आर्थिक गतिविधियों में कमी आई। इसके साथ ही भारत ने चीनी कंपनियों के निवेश पर भी कठोर नियम लागू कर दिए। गलवान कांड के तुरंत बाद भारत सरकार ने पड़ोसी देशों की कंपनियों के भारतीय निवेश की जांच प्रक्रिया में पुनरीक्षण और सुरक्षा मंजूरी की एक अतिरिक्त शर्त जोड़ दी। एक तरह से पड़ोसी देशों की कंपनियों के लिए नियम सख्त कर दिए गए। इसका सबसे ज्यादा असर चीनी कंपनियों पर पड़ा। इसकी वजह से भारतीय बाजार में चीनी कंपनियों द्वारा किए जाने वाले अधिग्रहण और निवेश पर लगाम लग गई। इसकी वजह से गलवान कांड के बाद से ही चीनी कंपनियों द्वारा प्रस्तावित अरबों डालर के निवेश की प्रक्रिया अटक गई। जिसका सीधा असर चीन की कंपनियों पर पड़ा और उन्हें आर्थिक दिक्कतें झेलनी पड़ीं। गलवान कांड के बाद भारत ने जो बड़ा कदम उठाया था, उसकी बड़ी चर्चा हुई थी। चीन की मोबाइल कंपनियों और एप्स की भारत में गलवान कांड के बाद बड़ी पहुंच बन गई थी। गलवान कांड के तुरंत बाद भारत ने डेटा और गोपनीयता की शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए चीन करीब 300 चीनी मोबाइल एप्स पर पाबंदी लगा दी थी। इसके बाद साल 2023 में मोदी सरकार ने चीन की स्मार्टफोन कंपनी विवो कम्युनिकेशन टेक्नॉलॉजी पर वीजा नियमों का उल्लंघन करने और 13 अरब डॉलर की धनराशि की हेराफेरी का आरोप लगाया था। जिसकी वजह से विवो के भारतीय बाजार पर बड़ा असर पड़ा। इसके साथ ही सरकार ने चीन की दूसरी बड़ी मोबाइल उत्पादक कंपनी शाओमी के खिलाफ कार्रवाई की। शाओमी पर आरोप लगा कि उसने विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून का उल्लंघन किया है। जांच में यह सही पाया गया और सरकार ने कार्रवाई करते हुए उसकी भारत स्थित करीब 60 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्तियों को जब्त कर लिया। इससे चीन के मोबाइल कारोबार को भारत में बड़ा झटका लगा।

वैसे चीन को यहां तक लाने में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बातचीत की बड़ी भूमिका रही है। चीनी विदेश मंत्री चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ सदस्य हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, वांग यी का मानना है कि संघर्षशील दुनिया के बीच दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में चीन और भारत को अपनी स्वतंत्रता पर मजबूती से खड़ा रहना, लेकिन दोनों के बीच एकता और सहयोग भी होना चाहिए। वांग यी ने ही चीन को यह सुझाव दिया कि दोनों पड़ोसी देशों को एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। माना जा रहा है कि भारत और चीन के बीच करीब तीन चौथाई समस्याओं को खत्म कराने में रूसी राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन का भी योगदान है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस, चीन के काफी करीब आया है। हालांकि उसने एक बात जरूर की है कि उसने भारत-चीन के रिश्तों में आई खटास के मद्देनजर कभी-भी चीन का साथ नहीं दिया, बल्कि भारत से अपनी पुरानी दोस्ती को बनाए रखा।

हम प्रकृति से कितनी दूर चले आए हैं..!

वायु गुणवत्ता के लिहाज से भारत की राजधानी दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। हालांकि की दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की बात करें तो इसमें बिहार के बेगूसराय शहर का नाम पहले सामने आता है। स्विस संगठन की वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 में बताया गया है कि वायु प्रदूषण गुणवत्ता में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत वायु गुणवत्ता में गिरावट के लिहाज से तीसरे स्थान पर खड़ा है। फिलहाल पिछले पांच बार से दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक दिशा-निर्देश के मुताबिक भारत में लगभग 1.3अरब लोग- जो कुल आबादी का लगभग 96त्नहै, पी एम 2.5 सांद्रता का अनुभव करते हैं। पी एम- पार्टिकुलेट मैटर-वे छोटे-छोटे कण हैं,जो वायु में मौजूद रहते हैं और जिन्हें हम नग्न आंखों से नहीं देख सकते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि दिल्ली में रहने वाला प्रत्येक नगरिक विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के लिहाज से सात गुना वायु प्रदूषण का खतरा झेल रहा हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानक 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है।

आमतौर पर दिल्ली के यमुना नदी में सफेद रंग का झाग दीपावली और छठ की पूजा के बाद दिखाई देता था लेकिन दिल्ली में वायु गुणवत्ता में निरंतर गिरावट के साथ -साथ यमुना नदी का बढ़ता प्रदूषण भी अब हर साल खतरनाक साबित हो रहा है। इस साल अप्रैल से यमुना में सफेद झाग दिखाई देने लगा। ऐसी स्थिति आमतौर पर बाढ़ उतरने और जमुना के जलस्तर में कमी की वजह से पैदा होती है। रही बात बढ़ते वायु प्रदूषण की, तो इसकी मुख्य वजह सड़कों पर गाड़ियों की बढ़ती संख्या, गाड़ियों के धुएं से निकलने वाली खतरनाक कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी गैसें भी हैं। इधर, पड़ोसी राज्यों मसलन हरियाणा और पंजाब के किसानों द्वारा धान और गेहूं की पराली जलाने की वजह से भी हर साल वायु गुणवत्ता की सेहत खराब हो जाती है। केंद्र और राज्य सरकारें हर साल अपनी जवाबदेही एक दूसरे पर डालते हए कुछ समय के लगभग चुप्पी साध लेती हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन रिपोर्ट बताती है कि वायु प्रदूषण की वजह से पूरी दुनिया में हर साल लगभग 70 लाख लोगों की मौतें होती हैं। अकेले भारत में लगभग 12 लाख लोग हर साल वायु प्रदूषण की वजह से असमय काल के गाल में समा जाते हैं। फिलहाल दिल्ली और एनसीआर के आसपास लोगों को सांस लेने में दिक्कतें महसूस हो रही हैं। सुबह से ही कोहरे की चादर दिल्ली के आसमान में छाने लगती है। हवा की गुणवत्ता लगातार बद से बद्तर होती जा रही है। एक्यूआई 334 तक पहुंच चुका है। गले में खराश आंखों में जलन सांस लेने में तकलीफें और सांस सम्बन्धी कई अन्य बीमारियां दिल्ली वासियों का जीना मुहाल कर रखा है। देश के दिल कहे जाने वाले दिल्ली में देश के कोने से कोने से रोजी-रोटी की तलाश में आ बसें, लाचार-गरीब लोगों को सूझ नहीं रहा है कि- बढ़ती मंहगाई और निरंतर कम होती जा रही आमदनी में अपना पेट काटकर इन बीमारियों का कैसे सामना करें?अब केंद्र और दिल्ली सरकार के दरवाजे पर गुहार लगाने के अलावा दूसरा उपाय क्या है - कभी यमुना दिल्ली के लाल किले की दहलीज तक दस्तक देती थी। आज अपने सूरत-ए-हाल पर रो रही है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि नदियों के तट पर ही भारतीय सभ्यता का सृजन और विस्तार हुआ है। हमारे शरीर के धमनियों में बहने वाले खून की तरह नदियां सृष्टि काल से हमारे जीवन की तारणहार-खेवनहार और जीवनधारा रही हैं। औद्योगिक विकास की मौजूदा प्रणाली हमें इस जीवन धारा से लगातार वंचित और बेदखल कर रही है। आज हमारे रहन-सहन का ढंग बदल गया है। हम दोष जलवायु परिवर्तन को दे रहे हैं, लेकिन अपने आपको बदलने के लिए हम बिल्कुल तैयार नहीं हैं।आलम यह है कि हम सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया की अन्य सभी खबरों से हर वक्त बाखबर हैं, पर अपने पास की नदी की रूलाई हम कहां सुनते हैं? वैदिक परंपरा से लेकर सुकरात पूर्व ग्रीक दर्शन में पांच महाभूतों से निर्मित इस विश्व के संरक्षक - संवर्धन के प्रति हम सदैव सचेत रहे हैं। पृथ्वी, आकाश, जल , वायु और अग्नि के संरक्षक उपायों तथा उनके कार्य पद्धतियों का विस्तार से अध्ययन और जीवन में उनके महत्व को भी हम गहराई से चिन्तन-मनन करते रहे हैं। तैत्तिरीय उपनिषद् में बताया गया है कि कैसे पदार्थ ऊर्जा से आकाश, आकाश से वायु, वायु से अग्नि, अग्नि से जल, जल से पृथ्वी, पृथ्वी से वनस्पतियां, वनस्पतियों से अन्न, अन्न से मानव जीवन का सत्व निर्मित होता है।

सहारनपुर जिलाधिकारी मनीष बंसल को उत्तर प्रदेश वैश्य अग्रवाल ट्रस्ट ने किया सम्मानित

पदाधिकारियों ने माला एवं प्रतीक चिन्ह भेंट करा

सहारनपुर । देवबंद, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल को उत्तर प्रदेश वैश्य अग्रवाल ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने माला एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने बताया कि देवबंद नगर के युवा व्यापारी अमित गोयल दूध वाले मंगलौर चौकी निवासी का पिछले दिनों कुत्ते के काटने से निधन हो गया था, जिसके विषय में जिलाधिकारी मनीष बंसल के समक्ष विस्तृत जानकारी रखी गई साथ ही पीड़ित परिवार के लिए सरकार से मदद दिलवाने का आग्रह भी किया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने उक्त प्रकरण का पूर्ण संज्ञान करने के उपरांत मदद दिलवाने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर ट्रस्ट के महामंत्री विशाल गर्ग, कोषाध्यक्ष गगन मित्तल, उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल मौजूद रहे।

एसबीडी जिला चिकित्सालय को प्रदेश में कायाकल्प पुरस्कार के तहत मिला प्रथम स्थान

प्रथम स्थान आने पर दिए जाएंगे 60 लाख रूपये

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर. जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में कायाकल्प अवार्ड स्कीम के अन्तर्गत एसबीडी जिला चिकित्सालय को प्रदेश में प्रथम स्थान एवं 60 लाख रूपये का अवार्ड मिला है। 50 लाख रूपये कायाकल्प अवार्ड में प्रथम स्थान के लिए एवं 10 लाख रूपये ईको फ्रैण्डली हॉस्पिटल अवार्ड में मिले है। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि जनपद स्तरीय चिकित्सालयों का तीन चरणों में (इन्टर्नल, पियर एवं एक्सटर्नल असेसमेंट) किया गया है। प्रथम चरण में प्रदेश के कुल 121 जनपद स्तरीय चिकित्सालयों का इन्टर्नल असेसमेंट किया गया। तत्पश्चात राज्य स्तर से असेसर्स टीम द्वारा चरणबद्ध रूप में 121 चिकित्सालयों का भौतिक पियर असेसमेंट कराया गया। पियर असेसमेंट में 70 प्रतिशत या उससे अधिक स्कोर प्राप्त 117 चिकित्सालयों का एक्सटर्नल असेसमेंट कराया गया। अन्तिम चरण (एक्सटर्नल असेसमेंट) के आधार पर वर्ष 2023-24 में कुल 108 चिकित्सा इकाईयों 70 प्रतिशत से अधिक स्कोर प्राप्त कर अवार्ड हेतु अर्ह है। भारत सरकार द्वारा प्रेषित दिशा-निर्देश के क्रम में चिकित्सा इकाई के स्कोर की गणना में प्रक्रिया पालन के अनुसार मेरा अस्पताल स्कीम के अन्तर्गत अन्तिम स्कोर के गणना में मरीजों की संतुष्टि के प्रतिशत के आधार पर 15 प्रतिशत वेटेज प्रदान किया गया है। एक्सटर्नल असेसर्स के स्कोर की गणना करते हुये एक्सटर्नल असेसमेंट स्कोर को 85 प्रतिशत वेटेज प्रदान किया गया है। भारत सरकार के निर्देशानुसार अवार्ड हेतु प्राविधानित धनराशि का 75 प्रतिशत चिकित्सालय के नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैण्डर्ड एवं कायाकल्प अवार्ड स्कीम के अन्तर्गत चिन्हित गैप क्लोजर, सुदृढीकरण, रख-रखाव, स्वच्छता व्यवस्था इत्यादि सुनिश्चित किये जाने हेतु उपयोगित की जाये, जिससे चिकित्सालय के स्कोर में वृद्धि हो सके। कायाकल्प अवार्ड स्कीम के अन्तर्गत अवार्ड धनराशि के 25 प्रतिशत धनराशि जो अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इंसेन्टिव धनराशि उत्साह वर्धन हेतु दिये जाने का प्रावधान हैं इंसेन्टिव धनराशि मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके द्वारा कायाकल्प अवार्ड स्कीम के क्रियान्वयन में भूमिका एवं सहयोग के आधार पर निर्धारित किये जाने हेतु अधिकृत किया गया है।

सदस्य उ.प्र. राज्य महिला आयोग सपना कश्यप द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से की गई जनसुनवाई

महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। मिशन शक्ति अभियान फेज-05 के अन्तर्गत मा0 सदस्या, उ0प्र0 राज्य महिला आयोग, लखनऊ श्रीमती सपना कश्यप द्वारा महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने, महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से तथा आवेदक/आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टिगत सर्किट हाउस सभागार में समीक्षा बैठक/महिला जनसुनवाई का आयोजन किया गया। मा0 सदस्या द्वारा महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने हेतु जनसुनवाई की गयी। जिसमें महिलाओं व बालिकाओं को अधिकारों की जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारित किया गया। जिसमें उनके द्वारा 14 प्रकरणों को सुना गया जिसमें से 08 प्रकरण घरेलू हिंसा(महिला थाना) तथा 02 प्रकरण पुलिस विभाग(महिला थाना) तथा 01 प्रकरण साइबर क्राइम से सम्बन्धित, 02 प्रकरण राजस्व विभाग से सम्बन्धित तथा 01 प्रकरण महिला कल्याण विभाग से सम्बन्धित प्राप्त हुए हैं जिनमें से 02 प्रकरणों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। सभी प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये गये तथा प्रकरण में फालोअप लेते हुए निस्तारण आख्या से उन्हें अवगत कराने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिये गये। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय द्वारा महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानाकरी प्रदान करते हुए उ0प्र0 शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा निराश्रित महिलाओं को पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, कन्या सुमंगला योजना से अच्छादित बालिकाओं को लाभ दिलाये जाने, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना से जनपद में उ0प्र0 बाल सेवा योजना तथा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न, कन्या भ्रूण हत्या, मानव तस्करी के विषय में जानकारी प्रदान की गयी।
जनसुनवाई कार्यक्रम में डॉ0 अर्चना द्विवेदी अपर जिलाधिकारी(प्रशासन), गजेन्द्र कुमार नगर मजिस्ट्रेट, श्रीमती रूचि गुप्ता क्षेत्राधिकारी गंगोह, अभिषेक कुमार पाण्डेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी, नन्दलाल जिला कार्यक्रम अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मा0 सदस्या द्वारा जिला कारागार में महिला बैरक तथा राजकीय पश्चातवर्ती देखरेख संगठन(महिला), फतेहपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार की महिला बैरक में 38 महिलायें निरूद्ध पायी गयी तथा निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई ठीक पायी गयी व महिलाओं द्वारा किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं की गयी। राजकीय पश्चातवर्ती देखरेख संगठन(महिला), फतेहपुर में 57 महिलायें निवासरत हैं जिनमें से 04 बच्चे व 03 बालिकायें राजकीय आश्रम पद्धति आवासीय बालिका विद्यालय में अध्ययनरत हैं। संस्था में साफ-सफाई ठीक पायी गयी तथा संवासिनियों के निरन्तर स्वास्थ्य परीक्षण कराने हेतु निर्देशित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान महिला थाना की निरीक्षक सहित अन्य कार्मिकों के साथ-साथ जिला प्रोबेशन कार्यालय के कार्मिक तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रही।

सहारनपुर महानगर अध्यक्ष पद के लिए सरगर्मियां तेज

नई नियुक्ति को लेकर भाजपा आलाकमान बेहद सतर्क

सुरेंद्र सिंघल । वरिष्ठ पत्रकार ।
सहारनपुर। विवादास्पद पुनीत त्यागी को भाजपा महानगराध्यक्ष बनाकर अपने हाथ जला चुका भाजपा नेतृत्व अब उनके स्थान पर नई नियुक्ति को लेकर बेहद सतर्क है। मुंबई की एक अभिनेत्री द्वारा पुनीत त्यागी पर यौन शोषण के गंभीर आरोप सामने आने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने सूझबूझ दिखाते हुए तत्काल पुनीत त्यागी से इस्तीफा ले लिया था। पुनीत त्यागी की नियुक्ति करीब एक साल पहले हुई थी। उन्हें राकेश जैन का कार्यकाल पूरा होने के बाद अध्यक्ष बनाया गया था। उसका ना तो भाजपा को लोकसभा चुनाव में कोई लाभ मिला और ना ही संगठन मजबूत हो पाया। उस वक्त भाजपा के कुशल संगठनकर्त्ता और वैश्य समाज के सम्मानित बड़े नेता सुनील गुप्ता को संघ और भाजपा के ज्यादातर लोग अध्यक्ष बनाए जाने के पक्षधर थे। लेकिन सुनील गुप्ता लोबिंग में पिछड़ गए। नुकसान भाजपा उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा को उठाना पड़ा। सहारनपुर शहरी सीट जिले में भाजपा के लिए सबसे सुरक्षित सीट मानी जाती है। वजह सहारनपुर सीट पर सवा चार लाख मतदाता हैं। जिसमें डेढ़ लाख मुस्लिम मतदाता हैं और हिंदू मतदाताओं में दूसरी सबसे बड़ी संख्या बनिया बिरादरी की है। जिनके 70 से 75 हजार वोटर हैं। उनकी उपेक्षा जिले में भाजपा को भारी पड़ी और भाजपा लोकसभा की दोनों सीटें हार गई। जिले में डेढ़ लाख मतदाता बनिया बिरादरी के हैं। जबकि प्रतिनिधित्व के मामले में उसका स्थान शून्य है। सहारनपुर नगर सीट से तीन बार संजय गर्ग ने भाजपा को पटखनी दी है। लेकिन पिछले विधान सभा चुनाव में बनियों के समर्थन से भाजपा उम्मीदवार राजीव गुंबर ने दिग्गज संजय गर्ग को पराजित करने में सफलता पाई थी। वजह यही थी कि बनिया बिरादरी ने मोदी-योगी और अमित शाह के नाम पर संजय गर्ग का साथ छोड़कर भाजपा को वोट दिया था। अब जब भाजपा अध्यक्ष पद पर नई नियुक्ति होने जा रही है तो जनपद के प्रमुख लोगों ने संघ और भाजपा के शीर्ष नेताओं को सुझाया है कि बनियों की वापसी के लिए उसी बिरादरी के मजबूत संगठनकर्ता को ये जिम्मेदारी दी जाए। प्रमुख लोगों में महत्वपूर्ण नाम सुनील गुप्ता का है। जो बैंक यूनियन के राष्ट्रीय स्तर के संगठनकर्ता और नेता रहे हैं। वह कई दशकों से जिले और प्रदेश स्तर पर वैश्य वर्ग में नेतृत्व में शामिल हैं। सुनील गुप्ता के साथ-साथ जिन अन्य व्यक्तियों के नाम चर्चा में हैं उनमें नीरज गुप्ता एवं शीतल बिश्नोई भी शामिल हैं। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने इस संवाददाता से कहा कि पार्टी जल्द ही अच्छे कार्यकर्ता को यह जिम्मेदारी सौंपेंगी।

दीपोत्सव के पूर्व नगरों में हो बेहतर साफ सफाई एवं स्वच्छता- कलेक्टर

नगरों के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने कलेक्टर ने दिए निर्देश

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि जिले के सभी नगरीय निकायों में दीपोत्सव के पूर्व बेहतर साफ-सफाई एवं स्वच्छता हो, सभी नगर पालिका अधिकारी यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले के सभी नगर पालिका अधिकारी नगरों के सौंदर्यीकरण में विशेष ध्यान दें। नगरों के मेन रोड, डिवाइडर, पर्यटन स्थल, पार्क एवं मंदिरों की सफाई एवं रंगरोगन इत्यादि भी कराए जांए। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दे रहे थे। बैठक में कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी अनूपपुर से कचरा गाड़ी, कचरा प्रबंधन एवं सफाई व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की तथा संयुक्त कलेक्टर को निर्देशित किया कि प्रातः काल साफ-सफाई व्यवस्था एवं कचरा गाड़ियों के कचरा प्रबंधन की स्थिति का जायजा लें तथा नगर में साफ सफाई व्यवस्था की जानकारी से अवगत कराएं। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अनूपपुर जिला मुख्यालय होने के कारण यहां सफाई व्यवस्था चुस्त एवं दुरुस्त होना चाहिए। यहां सफाई व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर कराई जाए। बैठक में कलेक्टर ने नगर परिषद अमरकंटक में जाम की स्थिति की भी जानकारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी से प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि अभियान चलाकर पार्किंग व्यवस्था बेहतर बनाया जाए जिससे अमरकंटक आने वाले श्रद्धालु एवं पर्यटकों को जाम की स्थिति का सामना नहीं करना पड़े। बैठक में कलेक्टर ने अमरकंटक में नर्मदा मंदिर, सोनमुड़ा एवं माई की बगिया में आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश मुख्य नगरपालिका अधिकारी को दिए। बैठक में कलेक्टर ने अमरकंटक के पर्यटन स्थल में गाय के विचरण को रोकने तथा श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों हेतु अमरकंटक के सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। जिससे अमरकंटक की भव्यता एवं दिव्यता लोगों तक पहुंच सके। बैठक में कलेक्टर ने सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में स्वच्छता सर्वेक्षण मापदण्डों के अनुरूप सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारी कार्य करें तथा निर्धारित पैरामीटर के अनुसार नगरों में साफ सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय सहित जिले के सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी उपस्थित थे।

दीनदयाल रसोई योजना से जन समुदाय को जोड़ने का करें प्रयास-कलेक्टर

जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुसरण समिति की बैठक हुई आयोजित

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि दीनदयाल रसोई योजना के अंतर्गत जरूरतमंद लोगों को पौष्टिक एवं गुणवत्तायुक्त भोजन मिलना चाहिए। भोजन के गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन विशेष भोज का भी आयोजन किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि दीनदयाल रसोई योजना से जिले के जन समुदाय, समाजसेवी तथा व्यापारिक प्रतिष्ठान के लोगों को भी जोड़ने का प्रयास किया जाए, जिससे जरूरतमंदों को और बेहतर रुचिकर भोजन प्राप्त हो सके। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुसरण समिति की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। बैठक में कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को नगरीय क्षेत्र में बेहतर कार्य योजना बनाकर दयाल रसोई योजना को संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी नगर पालिका अधिकारी नागरिकों से अपील करें कि वह विशेष दिन जैसे जन्म दिवस, पुण्यतिथि, सालगिरह इत्यादि दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराएं। बैठक में कलेक्टर ने दीनदयाल रसोई भवन को दीपोत्सव से पहले रंगरोगन, भवन मरम्मतीकरण तथा आकर्षक लाइटिंग कराने के संबंध में मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने उचित मूल्य दुकान से प्राप्त होने वाले राशन के संदर्भ में भी चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने दीनदयाल रसोई भवन के रसोई कक्ष को बेहतर तथा व्यवस्थित रखने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए तथा उन्होंने नेकी की दीवार कार्यक्रम के संबंध में भी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। जिस पर अवगत कराया गया कि जिले के सभी नगरीय निकायों में नेकी की दीवार कार्यक्रम संचालित हो रही है, जिससे लोग जरूरत की वस्तुएं प्राप्त कर रहे हैं। जिस पर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नेकी की दीवार हेतु कचरा गाड़ी, स्लोगन सहित अन्य विभिन्न माध्यमों से लोगों को अवगत कराया जाए, जिससे लोग नेकी की दीवार में जरूरतमंदों के लिए वस्तुएं दान कर सकें। बैठक में दीनदयाल रसोई योजना के अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, नगरपालिका अध्यक्ष अनूपपुर श्रीमती अंजूलिका सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय सहित सभी नगरपालिका एवं नगर परिषदों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी उपस्थित थे।

चाय-समोसा की दुकान में चल रहा था अस्पताल

स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मार कर पकड़ा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ । सतना, जिले के विरसिंहपुर में चाय समोसा के होटल में पर चल रहे अवैध अस्पताल को स्वास्थ्य टीम की टीम ने पकड़ा है। सूचना मिलने पर पांच सदस्यीय स्वास्थ्य और सभापुर पुलिस की टीम ने छापा मार कार्रवाई कर दिया भारी मात्रा में दवाइयां जब्त किया। बताया जाता है कि सभापुर थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर में होटल में चल रही अवैध अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुलिस बल के साथ की खपामार कार्यवाही किया। टीम ने बिरसिंहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर देवेश मिश्रा व कारीगोही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजय शमां और आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पुष्पेंद्र पटेल के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम ने छापामार कार्यवाही कर दस्तावेज व दवाइयां की जा। बताया जाता है कि रोषा निवासी महिला अपने पति जरेल सिंह के दस्तवेजो की आड़ लेकर उपचार कर रही थी। महिला के पास ईलाज करने या दवा बिक्री का सीएमएचओ कार्यालय में कोई पंजीयन या लाइसेंस नहीं है। उसके बावजूद भी अवैध रूप से शिविर लगाकर उपचार किया जा रहा था। छापामार टीम के साथ सुरक्षा व्यवस्था के तहत सभापुर थाना प्रभारी शंखधर द्विवेदी के निर्देशन में उपनिरीक्षक अशोक गर्ग के नेतृत्व में पुलिस बल भी उपस्थित रहा।

सतना के जुगाड़ू अमन ने की मुख्यमंत्री से मुलाक़ात

विंध्य क्षेत्र के कलाकारों के लिए रोजगार सृजन की रोजगार और विकास पर चर्चा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
रीवा, जिले में कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव में पधारे प्रदेश के मुख्यमंत्री से शोशल मीडिया एक्टिविस्ट अमन मिश्रा उर्फ़ जुगाड़ू अमन (संस्थापक जुगाड़ू एडवरटाइजिंग) ने क्षेत्रीय,सामाजिक , राजनैतिक एवं अन्य विषयों को लेकर विंध्य के कुछ कलाकार एवं शोशल मीडिया इंफ्लूंसर के साथ मुलाक़ात कर जानकारी साझा की। वोकल फॉर लोकल की तर्ज़ में विंध्य क्षेत्र में कलाकारों द्वारा किए जा रहे प्रयास से अवगत कराया , साथ ही सरकार द्वारा किए जा रहे विकास को शोशल मीडिया के माध्यम से लोगो पहुँचाने के लिए इंफ्ल्यूएंसर को कार्य दिये जाने की माँग रखी जिससे विंध्य के सभी कलाकार एवं डिजिटल इंफ्लूंसर अपने कंटेंट के माध्यम से सरकार द्वारा किए जा रहे कार्य को लोगो तक आसानी से पहुँचाया जा सके। इससे सभी कलाकारों एवं शोशल मीडिया इंफ्लूंसर को रोज़गार भी मिलता रहेगा ।श्री मिश्रा ने कहा सरकार के कार्यों को आसानी से विंध्य क्षेत्र के लोगो तक पहुँचाया जा सके जिसके लिए आपकी अनुशंसा एवं अनुमति प्रार्थनीय है । जिसके माध्यम से कई शोशल मीडिया इंफ्लूंसर के लिए आय के

संसाधन भी बन सकेगा जिससे आर्थिक रूप से विंध्य क्षेत्र के कलाकारों को शशक्त बनाने में आपका अहम योगदान रहेगा। इस बात मुख्यमंत्री जी द्वारा को गंभीरता से लेते हुए जल्द इस पर विचार करने के लिए कहा है । अमन मिश्रा द्वारा विंध्य में हुए आयोजन एवं आमंत्रण के लिए मुख्यमंत्री जी धन्यवाद ज्ञापित किया । मुलाक़ात में बघेली कलाकार अविनाश तिवारी, अभिनेत्री अंजलि पयाशी, यूट्यूबर लीला साहू , अमृता सिंह, विजयलक्ष्मी वर्मा एवं अन्य कलाकार उपस्थित रहे।

विद्या भारती राष्ट्रीय खेलकूद समारोह 2024

सरस्वती विद्यापीठ में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने किया भव्य शुभारम्भ

सतना. 35वां अखिल भारतीय खेलकूद समारोह सरस्वती विद्यापीठ उतैली में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला के मुख्य आतिथ्य में और विशिष्ठ अतिथि सांसद गणेश सिंह महापौर योगेश ताम्रकार हेमचंद जी विवेक शेन्डे सुनील सेनानी बिट्स कॉलेज संचालक चित्रकूट विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार, अध्यक्षता विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के सह संगठन मंत्री यतीन्द्र शर्मा की उपस्तिथि में रंगा रंग प्रस्तुति के साथ प्रारंभ हुआ। 35 वें राष्ट्रीय खेलकूद एथलेटिक्स उद्घाटन समारोह में हर क्षेत्र की संस्कृति का प्रदर्शन हुआ। विंध्य के व्हाइट टाइगर और प्रभु श्रीराम की सजीव झांकी ने सभी का मन मोहा। कश्मीर से कन्याकुमारी तक और बंगाल से गुजरात तक सम्पूर्ण देश की सांस्कृतिक झलक के साथ विंध्य के राई नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने कहा कि शिक्षा और संस्कार दोनों के लिए विद्या भारती का बड़ा नेटवर्क है यहां पूरा लघु भारत का दृश्य उपस्थित है। अटल जी की कविता उधृत करते हुए उन्होंने कहा क्या जीत में क्या हार में किंचित नहीं भयभीत मैं यह भी सही वह भी सही।उन्होंने कहा हमें जीत में भी विनम्र रहना है हार को भी सहजता से लेना है। हमारे खिलाड़ी भावना समाज में

उदाहरण के रूप में प्रदर्शित हो। अपने अपने क्षेत्र से जीत कर यहां आने वाले खिलाड़ी सभी श्रेष्ठ हैं विद्या भारती देश को तोड़ने वाली शक्तियों को चुनौती दे रही है। विद्या भारती के विद्यार्थी देश को विश्व गुरु के स्थान पर पहुंचाने के लिए अटल खड़े हुए हैं। आने वाला भविष्य बहुत सुनहरा है। देश के विकास का मोदी जी का स्वप्न आने वाली पीढ़ी को ही पूरा करना है। श्री शुक्ला ने कहा कि साइंस एवं टेक्नोलॉजी का उपयोग करके हमारा विकास वरदान बनेगा विद्या भारती द्वारा किया जाने वाला कार्य अपनी शक्ति का सदुपयोग कर देश की सेवा एवं मानवता की सेवा के लिए तत्पर करने वालों की फौज तैयार कर रहा है। देश का कोई भी कोना ऐसा नहीं है जहां विद्या भारती समाज को प्रभावित न कर सके । यह समर्पण और श्रद्धा का ही परिणाम है। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान सह संगठन मंत्री यतीन्द्र शर्मा ने कहा कि विद्या भारती के खिलाड़ियों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में अपनी उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया है। विद्या भारती शिक्षा संस्थान न केवल शैक्षिक क्षेत्रों में बल्कि खेल जगत में भी छात्रों को उच्च स्तर की ट्रेनिंग और प्रेरणा प्रदान करता है। इसके अंतर्गत प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने अनेक खेलों में अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए पदक जीते हैं और भारत का गौरव बढ़ाया है। यह संस्थान बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर भी जोर देता है, जिससे खिलाड़ी देश और समाज दोनों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि विद्या भारती के आदर्शों की पहचान बताना और विद्या भारती के कीर्तिमानों की गाथा बढ़ती जा रही संस्कार वैली में भी विद्या भारती का विद्यालय चलता है राष्ट्र की पहचान संस्कृति से होती है नहीं तो राष्ट्र की पहचान गुम हो जाती । उस संस्कृति और भारतीय कल्याण हिंदुत्व जीवन शैली को प्रचारित प्रसारित और अपने कृतित्व से विद्या भारती पूरे राष्ट्र को जग सिरमौर बनाने का प्रयास कर रही है विद्या भारती श्रेष्ठ मनुष्य का निर्माण करती है 12000 विद्यालय पूरे देश में विद्या भारती के चलते है खेल जगत में पिछड़ेपन को भी विद्या भारती दूर करेगी ऐसे कृतित्व भी विद्या भारती कर रही हैं खेल और खेल भावना के साथ अच्छे निर्णय के साथ हम उस कुशलता का भी प्रदर्शन करेंगे पराजय भी विजय को प्रेरित करती है ऐसी खेलभावना के साथ हम खेलते हैं। इस दौरान मुख्तेज सिंह बदेशा श्रीराम आरावकर डोमेश्वर साहू डॉ आनन्द राव जितेन्द्र सिंह परिहार भास्कर भट्टाचार्य संयोजक विजय यादव रामावतार चमाडिया मणिकांत महेश्वरी संपत धूत भाल चन्द्र रावले जाग्रत कपूर रजनीश पाठक बी एम शर्मा संतोषमणि मिश्रा विकास पांडेय डॉ देवेन्द्र सिंह संजीव महेश्वरी जय देव ताम्रकार श्याम लाल गुप्ता श्यामू उपस्थित रहे। संचालन गणेश गोविंद मिश्रा ने और आभार सर्वव्यवस्था प्रमुख रवि मिश्रा ने किया। आयोजन की बबीता प्रदान करते हुए हवा में रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़े गए और खेल भावना के प्रति 35 वें राष्ट्रीय समारोह का जज भी फहराया गया इसके पूर्व संपूर्ण देश के सभी 11 क्षेत्र के खिलाड़ियों द्वारा मार्च पास्ट किया गया।

बम्हनी चौथी मंडई में छत्तीसगढ़ का सुप्रसिद्ध स्वर-धारा कि प्रस्तुति

ग्रामीणों के मनोरंजन हेतु रात्रि कालीन प्रोग्राम का भी हुआ आयोजन

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बम्हनी में 5 नवम्बर दिन मंगलवार को चौथी मंडई का आयोजन हर वर्ष कि तरह इस वर्ष भी किया जाना है,साथ ही मंडई को सफल बनाने हेतु पुर्व में ग्रामीणों कि बैठक का आयोजन कर समीति का गठन किया गया है।
प्रेस को संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए हुए समीति सचिव डां.ललित लानगे व ग्राम सरपंच बी आर ढबाले ने बताया कि चौथी मंडई के शुभ अवसर पर ग्रामीणों के मनोरंजन हेतु रात्रि कालीन प्रोग्राम का आयोजन भी किया गया है जिसमें छत्तीसगढ़ तुलसीपुर राजनांदगांव का सुप्रसिद्ध स्वर-धारा के कलाकार अपनी प्रस्तुति ग्रामीणों के समक्ष रखेंगे जिसमें गायक देवानंद वर्मा, धनंजय साहू, विष्णु कश्यप वहीं गायिका में आरती साहू,डांली देशमुख व कार्यक्रम संचालक विष्णु कश्यप तथा संगीत में जिनेन्द्र साहू बांसुरी भोलाराम तबला तेजा साहू,पेड दानेश्वर साहू वहीं उद्घोषिका श्रीमती प्रेमा जी,उद्घोष धनंजय साहू दौना प्रमुख रूप से रहेंगे।
वहीं मंडई कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समीति का गठन किया गया है जिसमें प्रमुख रूप से चैतराम अंगुरे अध्यक्ष,डी सी ढबाले उपाध्यक्ष,फागूराम बाहेश्वर कोषाध्यक्ष,डॉ ललित लानगे सचिव व बसंत सोनबिरसे सहसचिव वहीं सदस्यगण एवं गणमान्य नागरिक बंधु में अशोक पंचबुध्दे,तुलाराम मारवाड़े, युवराज अगुरे,भोजराज ढबाले, लोकराम लुटे,मोहन मर्सकोले,दीपक लानगे,कपील ढबाले,अरुण भोयर, दुर्योधन

गजामे,मनीराम तुमसरे,गज्जानंद दौने, अशोक गाढ़ेश्वर,वाय के सहारे, श्रीराम तुमसरे,निरज पंचेश्वर,बबन लुटे, उमाशंकर बाहेश्वर,राजेश मानेश्वर,नरबद समनपुरे, लक्ष्मण वैघ, ओमकार हरिनखेड़े,दशरथ पंचेश्वर,उमेश अंगुरे,गगन अंगुरे,मेखराम अंगुरे एवं फागूराम तुमसरे सहित अन्य सभी लोग शामिल हैं।

किसान की शिकायत पर नहीं हो रही कार्रवाई...

प्रशासन कि निष्क्रियता से खनन माफिया हो रहे सक्रिय

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, ग्राम पंचायत पांढरवानी जिसे मुख्यालय से लगा हुआ गांव नहीं कह सकते बल्कि यह कह सकते हैं कि मुख्यालय ही है जहां पर तहसीलदार,थानेदार और कई अधिकारी निवास और अपनी ड्यूटी करते हैं बावजूद सरेआम खनन होना आम जनता की समझ से परे हैं। मामला ऐसा है कि नरेंद्र जयसवाल कृषक के खेत में खनन माफिया अपनी मर्जी से घुस गए और 2 दिनों तक लगातार मिट्टी और मुरम का खनन किया हौसले देखो माफिया के इतने बुलंद है कि किसी के खेत में भी जाकर कुछ भी कर सकते हैं जिसकी शिकायत कृषक द्वारा लालबर्रा थाने में कर दी गई है बावजूद खनन करवाने वाले फुंडेकर और उनके साथियों पर पुलिस प्रशासन नकेल कसने में नाकाम साबित हो रहा है।

एम पी आर डी सी एवं गतिमान कॉन्ट्रैक्शन की साठ गाठ से करोड़ो की लागत में हुआ घटिया सुरक्षा दिवाल निर्माण कार्य

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनुपपुर, अनुपपुर से पर्यटक स्थल अमरकंटक मुख्य मार्ग की किरर घाट पर सत्रह करोड़ की लागत से घाट पर चौड़ी करण एवं लैंड स्लाइड रोकने हेतु पत्थरों को जाली से बांध एवं दिवाल निर्माण किया गया है जो कि बिल्कुल ही गुणवत्ता विहीन निर्माण है अभी गतिमान कॉन्ट्रैक्शन का ये कार्य पूरा भी नहीं हुआ और निर्माण की कलई खुल गई है सुरक्षा दिवाल निर्माण में वाइब्रेटर का इस्तेमाल नहीं किया गया है और अपनी गुणवत्ता को छुपाने के लिए गतिमान कॉन्ट्रैक्शन द्वारा सुरक्षा दिवाल पर पुताई कर दी जा रही है जिससे इसकी कमियां किसी को दिखाई न पड़ सके । कई जगह तो दिवालो पर होनीकॉम आ रहा है एवं गतिमान कॉन्ट्रैक्शन पुताई कर अपना पल्ला झाड़ रही है। जब गतिमान कॉन्ट्रैक्शन के साइड इंचार्ज दीपक से इस बारे में पूछने पर उनका कहना है हमारा काम अब खत्म हो गया है जिससे शिकायत करना है कर दो काम ऐसा ही होगा । कमीशन का हुआ है खेल, गतिमान कॉन्ट्रैक्शन का कार्य इसी अनुपपुर अमरकंटक मुख्य मार्ग पर भेजरी के समीप भी सड़क चौड़ी करण का चल रहा है उसमे भी घटिया निर्माण कराया जा रहा है , हम इस पूरे कार्य में कमीशन का खेल इसलिए कह रहे है क्योंकि सत्रह करोड़ का कार्य कही से कही तक दिख नहीं रहा एम पी आर डी सी के अधिकारी अपनी आंख और कान बंद किया बैठे है और इस कंपनी साइड इंचार्ज दीपक के कहने के अनुसार की काम ऐसा ही होता है जिससे शिकायत करना हो कर लो हमारा काम तो अब खत्म ही हो गया है से साफ जाहिर है कि गतिमान कॉन्ट्रैक्शन

द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों को मोटी रकम कमीशन में मिल गई है जिससे वह उस मोटी रकम के प्रभाव में गतिमान कॉन्ट्रैक्शन के इस घटिया निर्माण को सह प्रदान कर रहे है, एम पी आर डी सी श्रीमान जी का कहना है हम दिखाते है अगर कुछ गलत है तो सही करवाया जाएगा अगर कही पर हनी कॉम आया है तो ये ठीक नहीं है एवं कार्य पूरे गुणवत्ता से ही कराया जाएगा श्रीमान जी पूरी गुणवत्ता से कार्य कब कराया जाएगा इतना भी बता दे क्योंकि गतिमान कॉन्ट्रैक्शन के हिसाब से तो कार्य लगभग पूरा हो गया है और एक दो दिन में वह कार्य समेट कर यह से चले जाएंगे।

वन विभाग बैहर अन्तर्गत आने वाले नदी नालों में चल रहा रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन

वन विभाग कि कार्यवाही पर उठ रहे सवाल, माफिया हो रहे मालामाल

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
बालाघाट, बैहर वन विभाग अन्तर्गत आने वाले नदी नालों में इन दिनों रेत का अवैध उत्खनन चरम सीमा पर है,जैसे ही बरसात समाप्त हुआ वैसे ही क्षेत्र के रेत माफिया पुरी तरह से सक्रिय होकर रेत अवैध उत्खनन कर रहे हैं जबकि वन विभाग में कर्मचारियों कि कमी नहीं है हर बीट पर कर्मचारी उपस्थित रहकर सेवा देते हुए आ रहे हैं और उनके रहते जंगल कि नदी से रेत निकलना कई सवाल खड़े कर रहा है वहीं विश्वसनीय सुत्रो से मिली जानकारी अनुसार रेत माफियाओं ने वन विभाग के कर्मचारियों को सेट करके रखा हुआ है इस वजह से कार्यवाही नहीं हो पा रही है,और नदी का स्वरूप दिनों दिन बिगड़ता जा रहा है यदि कोई गरीब आदमी जंगल से जलाऊ लकड़ी कि धोके से चोरी कर ले तो पुरा वन अमला सक्रिय हो जाता है कार्यवाही के लिए और इतने दिनों से जंगल कि नदी से रेत चोरी हो रही है तो उनके कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है या फिर कमीशन के चक्कर में अपनी आंखें बंद कर लिए हैं। वहीं क्षेत्र के जागरुक लोगों ने रेत के अवैध उत्खनन पर रोक लगाने कि मांग करते हुए जो अधिकारी व कर्मचारी रेत माफियाओं को सहयोग कर रहे हैं उन पर भी कार्यवाही कि मांग जिला प्रशासन से किये है।
वहीं हम आपको अवगत करा देवें कि बैहर घनघोर जंगल में बसा है जहां पर अधिक संख्या में नदी व नाले है तथा उसके स्वरूप के साथ खिलवाड़ ना हो इसके लिए जिले का प्रशासन हमेशा सतत् व चौकन्ना रहता है। ताकि नदियों के साथ कोई खिलवाड़ ना हो,लेकिन स्थानीय रेत माफिया अपने फायदे के लिए नदी नालों को खोखला कर रहे हैं।
वन विभाग कि कार्यवाही पर सवाल,माफिया हो रहे मालामाल... वहीं आपको अवगत करा देवें कि रेत माफिया रेत कि चोरी कर दिनों दिन मालामाल हो रहे जिस वजह से वन विभाग कि कार्यवाही पर दिनों दिन सवाल पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिरकार इतने दिनों से नदियों से रेत चोरी हो रही है तो कार्यवाही क्यों नहीं हो रही है जबकि वन विभाग कि नाक के नीचे जंगल कि नदी से रेत चोरी हो रही है वह भी कोई भी समय बेधड़क तरीके से रेत निकाला जा रहा है और रेत माफिया रेत को अधिक दामों में बेचकर अपनी चांदी काट रहे हैं और गरीब को समय पर रेत नहीं मिल रही हितग्राही मूलक के कार्य प्रभावित हो रहे हैं ऐसे माफियाओं कि वजह से सवाल लाजमी है कि क्या भविष्य में रेत माफियाओं पर वन विभाग शिकंजा कसेगा या फिर ऐसे ही रेत कि चोरी होते रहेगी,क्या ऐसे हि नदियां खोखली होते रहेगी।

ग्राम पंचायत धिरौल के सचिव को जिपं. सीईओ ने किया निलंबित
राजस्व एवं जनकल्याण शिविर कार्य में लापरवाही पर की गई कार्यवाही

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ| अनूपपुर, जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत धिरौल में पदस्थ सचिव श्री शिशुपाल सिंह को 23 अक्टूबर 2024 को आयोजित राजस्व एवं जन कल्याण शिविर में आवेदकों द्वारा दिए गए आवेदनों को निर्धारित प्रारूप में पंजी संधारित कर आवेदन प्राप्त नही करने एवं जानकारी मांगने पर जानकारी नही दिए जाने तथा ग्राम पंचायत अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की कोई जानकारी नही होने से शासकीय कार्य में उदासीनता, लापरवाही, स्वेच्छाचारिता किए जाने एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों की अवहेलना करने पर म.प्र. पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999, भाग 2, नियम-4 के तहत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा द्वारा निलंबित किया गया है। जबकि संबंधित सचिव को शिविर में वांछित जानकारी के साथ उपस्थित होने हेतु निर्देश दिए गए थे। निलंबन अवधि में सचिव श्री शिशुपाल सिंह का मुख्यालय जनपद पंचायत जैतहरी नियत किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

दो छात्र गुटों में जमकर चले लात घूसे

आरक्षक ने बनाया मारपीट का वीडियो दी समझाइस

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।
शहडोल, कोतवाली थाना क्षेत्र में आए दिन आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं,और पुलिस इन घटनाओं को रोकने में नाकाम साबित हो रही है। गुरुवार की दोपहर फिर एक मामला सामने आया है, जिसमें कॉलेज के पढ़ने वाले छात्रों में विवाद हो गया, विवाद के पहले दो छात्र गुटों में गहमा गहमी देख स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी, लेकिन पुलिस जब पहुंची जब विवाद खत्म होने लगा था। पुलिस आरक्षक वीडियो बनाता रहा और दोनों पक्षों में मारपीट होती रही। कोतवाली थाना क्षेत्र के पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ने वाले दो छात्र गुटों में विवाद हो गया, विवाद किस बात को लेकर हुआ है पुलिस इस मामले की जांच कर रही है.पर यह बात सामने आई है कि दो छात्र गुटों में पहले पॉलिटेक्निक ग्राउंड में गहमा गहमी हुई और गाली गलौज हो रही थीं, जिसे देख कुछ स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी , लेकिन कोतवाली पुलिस ने केवल एक आरक्षक को मौके पर भेजा और विवाद करने वाले युवक दर्जन की संख्या में थे। पुलिस आरक्षक के सामने युवकों ने जमकर मारपीट की अकेला आरक्षक क्या करता, उसने केवल वीडियो बनाते बनाते मारपीट करने वाले युवकों को कहा कि कर लो विवाद तुम, बना लो अपना करियर । कहकर पुलिस आरक्षक युवकों को समझ रहा था, कि विवाद करोगे तो वीडियो में सभी का चेहरा कैद हो जाएगा और तुम पर पुलिस मामला दर्ज करेगी। पुलिस आरक्षक को वीडियो बनाते देख युवकों ने मारपीट करने के बाद वहां से भाग खड़े हुए हैं। कोतवाली थाना क्षेत्र के पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने यह वारदात हुई है। कोतवाली थाने से महज कुछ दूरी पर यह घटना दिन दहाड़े बीच सड़क में हुई है।यह सड़क राजेंद्र टॉकीज से पांडव नगर को जोड़ती है, और यहां हर मिनट में दर्जनों गाड़ियां गुजराती हैं, लोगों ने घटना के पहले मामले की जानकारी पुलिस को दी ,लेकिन कोतवाली से केवल एक ही आरक्षक आया गनीमत रही कि यहां कोई बड़ी घटना नहीं घटी,अगर युवकों के पास कोई धारदार हथियार या वस्तु होती तो शायद कोई बड़ी घटना घट सकती थी।

प्रतिक्रिया..

जानकारी मिलने पर चीता में मौजूद आरक्षक को मौके पर भेजा था, विवाद किस बात को लेकर हुआ है विवेचना जारी है।
रावेद्र तिवारी, थाना प्रभारी
थाना कोतवाली, शहडोल

आबकारी विभाग के वेयर हाउस में ऑपरेटर रविन्द्र वर्मा का राज कर रहा परमिट के नाम अवैध वसूली अधिकारियों ने बांधी आंखों में पट्टी

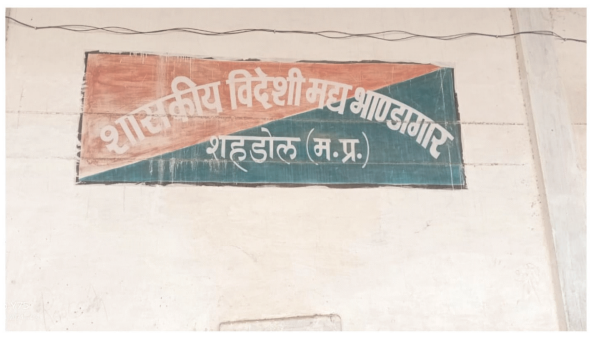

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
कटनी, वेयरहाउस अंग्रेजी शहडोल में परमिट ऑनलाइन और ऑफलाइन का चल रहा खेल उप निरीक्षक के आदेश से रावेंद्र वर्मा काट रहा चांदी करता है एक परमिट पर 20000 की मांग न देने पर नहीं करता है लोड गाड़ी नहीं देता है परमिट।।।
अनूपपुर। शहडोल संभाग के जमुई में इन दिनों अंग्रेजी वेयरहाउस में जमकर कालाबाजारी चल रही है जिसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन परमिट काटने का काम बखूबी किया जा रहा है और इस खेल को उप निरीक्षक रजनीश त्रिपाठी के आदेश पर रावेंद्र वर्मा नामक कंप्यूटर ऑपरेटर के द्वारा बाकायदा बड़े स्तर पर खेल - खेला जा रहा है यह बात किसी से छुपी नहीं है कि तमाम विदेशी मदिरा दुकानों का हब शहडोल वेयरहाउस रहा है जहां से पहले तो पीसीएस के नाम से हजारों एमजी शराब खपत करवाई जाती थी जिसमें डुप्लीकेट परमिट और दुकान तक पहुंचाने की गारंटी वेयरहाउस के संचालक के द्वारा होती थी जिसके लिए मोटी रकम का खेल शराब दुकान के मालिक और वेयरहाउस के संचालक के बीच तगड़ा गठबंधन होता था लेकिन इस समय सरकार ने शराब के नियम का अधिक कानून चेंज किया कर दिए हैं फिर भी कमाई के आंकड़े को पूरा करने के लिए प्राइवेट रूप से कार्य करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर रावेंद्र वर्मा ,उप निरीक्षक और निरीक्षक वेयरहाउस के संचालक के सच्चे शिफा सालार की भूमिका निभा रहे हैं और उन्हें शराब की दुकान चलाने वाले ठेकेदार के गुष्ठ ओं से अलग-अलग तरीके से ऑनलाइन और ऑफलाइन का गणित खेलते हुए मोटी रकम वसूली जा रही है जिसमें कई दुकानदार उप निरीक्षक के चाहते होते हैं जिनसे उनकी पहले से सेटलमेंट होती है और कई दुकानदारों से सेटलमेंट ना होने के कारण ऑनलाइन परमिट नहीं कट रहा है ऐसा बहाना बनाकर ऑफलाइन ही काट कर समय का खेल - खेला जाता है जिससे कालाबाजारी बराबर मात्रा में फेल कर चांदी काटने में लगे हुए हैं और इस कार्य में उप निरीक्षक के सच्चे सिपाही रावेंद्र वर्मा मजबूत दावेदारी पेश करते हुए अपना सब कुछ झोंक दे रहे हैं ताकि कल को कोई बात हो तो उच्च अधिकारी बचे रहे हैं और कंप्यूटर ऑपरेटर के ऊपर सारा दोस लगाकर उसे चला कर सके वह हाल कई ठेकेदारों ने इस बात को नाम न बताने के शर्त पर कहा है कि उप निरीक्षक और कंप्यूटर ऑपरेटर के द्वारा ठेकेदारों को बहुत परेशान किया जा रहा है जिसकी जांच होनी चाहिए , इसके पहले भी ऐसा मामला सामने आ चुका है जिसकी भी अभी तक किसी प्रकार की कोई जांच नहीं हो पाई है जिसके कारण कंप्यूटर ऑपरेटर के हौसले बुलंद है और वह अपने कार्यों को लगातार अंजाम देता हुआ चला आ रहा जिसे ना तो ऊपर के अधिकारी और ना ही शहडोल जिले में बैठे आबकारी अधिकारी द्वारा ध्यान दिया जा रहा है।

अब तो टाइगर रिजर्व में भी असुरक्षित वन्य प्राणी

पुलिसकर्मी की पिकनिक पार्टी में आया तेंदुआ मचा हड़कंप

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, जिला मुख्यालय में हुए रविवार की वारदात ने बता दिया की जिले में अब पढ़े लिखे अनपढ़ लोगो से बदत्तर हो चुके है जिनमे पुलिस महकमे जैसे जिम्मेदार पदों में पदस्थ शासकीय कर्मचारियों के द्वारा रिजर्व फारेस्ट एरिया में जाकर ललकारा जाना बेबस, मूक जानवर को अपना रसूख और बाहुबल दिखाना वह भी महज सोशल मीडिया रील बनाने के लिए।दरअसल पिकनिक पार्टी के पीछे कई राज छिपे हुए है, जिनका पर्दाफाश करना वन प्राणी अधिनियम का अक्षरश: परिपालन कराना जिले में सम्बंधित अफसरों के लिए विभाग की नाक बचने जैसा टास्क है, मामले को चार दिन गुजर चुके है लेकिन वन प्राणी संरक्षण और जिम्मदार अफसरों के हाथ कुछ सुराग नहीं लग सका है, अब बहुचर्चित मामले के पीछे का सच कितने जल्दी जनता के सामने आता है देखने वाली बात है ।

पोल खोलती तस्वीर..हमने वायरल वीडियो में साफ़ तौर पर देखा और सुना है अगर तेंदुआ अपनी जान बचाने के दौरान हमला कर नहीं भागता तो 40 -50 लोगो का झुंड उसके साथ क्या कर करता यह आप अंदाजा लगाइये, इंसानी झुण्ड मिलकर बेजुबान को महज एक रील के लिए घेर रहा था या फिर शिकार कर रहा था यह तो जाँच के दौरान पूछताछ और गहन विवेचना के दौरान ही निकलकर आएगा।लेकिन वीडियो में नितिन समदड़िया घायल और अंशु नामक ब्यक्ति दिखाई दे रहा है साथ साथ लाल रंग की थार और बहुचर्चित भूमाफिया अभिषेक मिश्रा नजर आ रहा है मानो देश का कानून इनकी जेब में है भारतीय संविधान हर नागरिक को जीने का अधिकार देता है यह बात आपने कई बार सुनी होगी। लेकिन भारत के संविधान ने जानवरों को भी जीवन जीने की आजादी दी है। अगर इनके जीवन को बाधित करने का कोई प्रयास करता है तो इसके लिए संविधान में कई तरह के दंड़ के प्रावधान हैं। इतना ही नहीं इनमें से 10 जानवरों ऐसे भी हैं जिनको मारने पर आपको जेल भी हो सकती है। लेकिन कानून का पालन करने वाले इस कानून का कितना पालन करा पाते है।
क्या है अनुसूची एक / भाग दो..जानवरों पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1972 में भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम पारित किया था। इसका मकसद वन्य जीवों के अवैध शिकार, मांस और खाल के व्यापार पर रोक लगाना था। इसमें वर्ष 2003 में संशोधन किया गया जिसका नाम भारतीय वन्य जीव संरक्षण (संशोधित) अधिनियम 2002 रखा दिया गया। इसमें दंड और और जुर्माना को और भी कठोर कर दिया गया है। 43 वन्य जीवों को शामिल किया गया है। इसमें धारा 2, धारा 8, धारा 9, धारा 11, धारा 40, धारा 41, धारा 43, धारा 48, धारा 51, धारा 61 और धारा 62 के तहत दंड का प्रावधान किया गया है। इस सूची में सुअर से लेकर कई तरह के हिरण, बंदर, भालू, चिकारा, तेंदुआ, लंगूर, भेड़िया, लोमड़ी, डॉलफिन, कई तरह की जंगली बिल्लियों, बारहसिंगा, बड़ी गिलहरी, पेंगोलिन, गैंडा, ऊदबिलाव, रीछ और हिमालय पर पाए जाने वाले कई जानवरों के नाम शामिल हैं। अनुसूची एक के भाग दो में कई जलीय जन्तु और सरीसृप को शामिल किया गया है।
इतनी सजा का प्रावधान..वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट में यह प्रावधान किया गया है कि अगर कोई व्यक्ति किसी वन्यजीव पर हमला करता है तो उसे कम से कम तीन साल और ज्यादा से ज्यादा सात साल तक की जेल की सजा हो सकती है. कम से कम 10 हजार ष्ठ पए जुर्माना भी हो सकता है. फिर क्राइम के नेचर को देखते हुए यह जुर्माना 25 हजार ष्ठ पए तक बढ़ाया जा सकता है. यही नहीं, कोई व्यक्ति किसी चिड़ियाघर में भी किसी वन्यजीव को परेशान करता है या उसे नुकसान पहुंचाता है तो उसे छह महीने की सजा और दो हजार ष्ठ पए का जुर्माना चुकाना पड़ सकता है
टाइगर रिजर्व में शिकार जुर्माना दो लाख..शहडोल में इस क़ानून की कैसे धज्जियाँ उड़ाई गई वायरल वीडियो में जिले से लेकर सूबे के हलकों तक इस करतूत की खबर फ़ैल गई है।गौरतलब होकि यदि कोई टाइगर रिजर्व क्षेत्र में शिकार या फिर कोई क्राइम करता है तो उसे सजा तो होगी ही, जुर्माना दो लाख ष्ठ पये तक का हो सकता है. सबसे ज्यादा जुर्माना का प्रावधान वन्यजीवों के खिलाफ इसी अपराध में है. पहले वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 जम्मू-कश्मीर को छोड़ पूरे देश पर लागू होता था पर अब इसमें जम्मू-कश्मीर भी शामिल हो गया है. इसमें पक्षी, रेंगने वाले जंतु, कीड़े, पानी में रहने वाले जंतु और मछलियों को भी शामिल किया गया है। उनके बच्चों को भी इसी एक्ट के जरिए संरक्षण दिया जाता है।
कभी वापस नहीं होते जब्त सामान वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 में यह भी प्रावधान किया गया है कि अगर वन्यजीवों के खिलाफ किसी अपराध में कोई वाहन, हथियार या दूसरे उपकरण शामिल हैं, तो उन्हें सरकार जब्त कर लेगी, ये सब सामान कभी वापस नहीं किए जाते हैं. यही नहीं, यदि कोई व्यक्ति वन्यजीवों के किसी भी हिस्से का उपयोग करता है तो भी उसे सजा हो सकती है, उदाहरण के लिए यदि कोई मोर के पंख का इस्तेमाल करता है तो उसे तीन साल तक की सजा का प्रावधान वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट में किया गया है।यहा तो तेंदुआ को खिलौना समझकर डंडा लाठी लेकर ललकारा जा रहा था।इस दौरान एक वीडियो में लाल रंग की थार भी दिखाई दे रही है और कुछ लोग जो वीडियो में ही सारा राज खोते नजर आ रहे है।

प्रतिक्रिया

अगर इस मामले में कोई गरीब आदमी होता जिसने तेंदुए जैसे को डंडा लाठी लेकर ललकार होता तो वन विभाग वाले दूसरे दिन ही घर में डेरा दाल लेते बड़े अफसरों के लिए शायद कोई छूट होगी साहब हम तो यह पढ़े है की संविधान सबके लिए एक होता है।
लाल सिंह, आम नागरिक - शहडोल

मामले में रेंज अफसर को जाँच को निर्देशित किया गया है, जाँच में जो भी तथ्य आएगे नियमानुसार कार्यवाही की जायगी।
बादशाह रावत, एसडीओ - सोहागपुर, दक्षिण वन मंडल शहडोल

..
नियमत: टाइगर रिजर्व एरिया में आम नागरिक हो या पुलिस कर्मी पिकनिक इत्यादि को नहीं जाना चाहिए, नितिन एक दिन की छुट्टी लेकर गए थे, मामला वरिष्ठ अधिकारियो के संज्ञान में है वो ही कार्यवाही करेंगे ।
गणेश प्रसाद सिंह, सब इंस्पेक्टर - कार्यालय, डीएसपी रेडियो, शहडोलह्न

जापान के इंडिया मेले में बाग प्रिंट की रही धूम

मोहम्मद यूसुफ मध्यप्रदेश की बाग प्रिंट को दिला रहे वैश्विक पहचान

बाग जापान में आयोजित इंडिया मेले-2024 में मध्यप्रदेश के वस्त्रों में विशिष्ट पहचान बनाने वाली बाग प्रिंट ने सभी का ध्यान न केवल अपनी ओर आकर्षित किया, बल्कि अपनी विशेष छाप भी छोड़ी। मोहम्मद यूसुफ खत्री, जो बाग प्रिंट हस्तशिल्प के पुश्तैनी कलाकार हैं, ने जापान के विभिन्न शहरों में बाग प्रिंट की मास्टर क्लासेस और कारीगरी का प्रदर्शन किया। जापान में भारतीय राजदूत श्री सिबी जॉर्ज और वस्त्र मंत्रालय की विकास आयुक्त श्रीमती अमृत राज ने भी उनकी कला को सराहा। मध्यप्रदेश के धार जिले के बाग क्षेत्र की परंपरागत बाग प्रिंट हस्तकला ने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफलता हासिल की है। शिल्प गुरु और गोल्ड मेडलिस्ट मोहम्मद यूसुफ खत्री ने हाल ही में जापान में आयोजित कई कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश की परंपरागत बाग प्रिंट की कला का प्रदर्शन किया, जिसने जापान के लोगों का दिल जीत लिया।
बाग प्रिंट का अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन 12 से 20 अक्टूबर 2024 के बीच ओसाका, क्योटो और साकाई जैसे प्रमुख शहरों में आयोजित कार्यक्रमों में उन्होंने जापान के लोगों को इस कला की बारीकियां सिखाईं। ओसाका से लगभग 40 किलोमीटर दूर कोबे में आयोजित 'इंडिया मेला' में तीन दिनों तक बाग प्रिंट कला का जीवंत प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बच्चों और पर्यटकों ने बाग प्रिंट के गुर सीखे और गहरी दिलचस्पी दिखाई। जापान के लोगों ने बाग प्रिंट कला को न केवल पसंद किया, बल्कि इसके प्रति गहरी रुचि भी दिखाई। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय हस्तशिल्प को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है।
जापान में बाग प्रिंट की अनोखी पहचान खत्री ने 16 अक्टूबर को वाकायामा शहर के म्यूज़ियम ऑफ मॉर्डन आर्ट में जाकर फाइन आर्ट के विद्यार्थियों और डेलीगेट्स को बाग प्रिंट की विशेषताओं से अवगत कराया। इसके बाद 17 अक्टूबर को क्योटो के कोकोका क्योटो इंटरनेशनल कम्युनिटी हाउस में भी उन्होंने बाग प्रिंट की मास्टर क्लास ली। 20 अक्टूबर को साकाई शहर के मीना साकाई पार्क में उन्होंने स्थानीय लोगों को इस कला का प्रशिक्षण दिया, जिसे काफी सराहना मिली। प्रशिक्षण के दौरान लोगों ने बाग प्रिंट की तकनीक से रूमाल भी बनाए।
भारतीय महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजन 15 अक्टूबर को भारत के प्रधान कोंसलावास, ओसाका-कोबे, जापान के महावाणिज्य दूत श्री चंद्रू अप्पार के निवास पर 'इंडिया भोज' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मोहम्मद यूसुफ खत्री ने महावाणिज्य दूत श्री चंद्रू अप्पार को बाग प्रिंट का स्टोल भेंट किया और स्टॉल भेंट किया।
मोहम्मद यूसुफ मध्यप्रदेश की बाग प्रिंट को दिला रहे वैश्विक पहचान मोहम्मद यूसुफ खत्री की जापान यात्रा ने न केवल बाग प्रिंट हस्तकला को वैश्विक मंच पर प्रमोट किया, बल्कि भारत और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को भी सम्मान दिलाया। उन्होंने जापान के भौगोलिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक और परंपरागत परिधानों को डिजाइन किया, जिन्हें जापानवासियों ने खूब सराहा। इस आयोजन के तहत भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने अतिथियों को जापान के विभिन्न सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण भी कराया, जिससे भारतीय शिल्पकारों को जापान की सांस्कृतिक समृद्धि को समझने का मौका मिला। श्री खत्री, जो पहले भी अमेरिका, स्पेन, जर्मनी, फ्रांस, बेहरीन, बेल्जियम, ईटली, कोलम्बिया, अर्जेंटीना जैसे देशों में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं, ने कहा कि जापान में बाग प्रिंट को मिली अपार सफलता से वे अभिभूत हैं। उन्होंने भारत और मध्यप्रदेश सरकार को इस कला का असली संरक्षक मानते हुए आभार व्यक्त किया।

एम.पी. ट्रांसको में टेक्निकल नॉलेज शेयरिंग पर आयोजित हुई प्रदेश स्तरीय कार्यशाला

इंदौर। जबलपुर एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के मुख्यालय जबलपुर में टेक्निकल नॉलेज शेयरिंग थीम पर कार्यशाला संपन्न हुई, जिसमें प्रदेश भर के लगभग 25 असिस्टेंट एवं जूनियर इंजीनियर्स ने हिस्सा लिया। 02 दिवसीय इस कार्यशाला के प्रारंभिक सत्र को संबोधित करते हुये एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी ने कहा कि कार्यशाला के दो चरण के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग के दौरान सीखी गई तकनीक का साईट पर व्यावहारिक रूप में सफलतापूर्वक क्रियान्वयन करना ही इस तरह की कार्यशालाओं का मूल उद्देश्य रहता है। उन्होंने कहा कि पुराने लोग लगातार रिटायर हो रहे हैं तथा वर्तमान में ट्रांसको के पास बेहद कम मैनपॉवर उपलब्ध है जिससे उबरने का एकमात्र रास्ता यह है कि जो इंजीनियर तथा स्टाफ उपलब्ध है वह सतत अपने ज्ञान में वृद्धि करें साथ ही प्राप्त तकनीकी ज्ञान अपने साथियों के साथ शेयर करें।। उन्होंने कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया होती है तथा यह टेक्निकल ट्रेनिंग एम.पी. ट्रांसको के श्रेष्ठतम इंजीनियर्स द्वारा दी जा रही है अत: फील्ड इंजीनियर्स पूर्ण मनोयोग से इस तरह की उच्च स्तरीय कार्यशालाओं का लाभ प्राप्त करें। इंजी सुनील तिवारी ने कहा कि ट्रेनिंग की सार्थकता इसमें ही है कि युवा इंजीनियर्स यहां से जो भी नई जानकारी प्राप्त करें उसका फील्ड में उपयोग करते हुए तकनीकी दक्षता हासिल करें तभी वो फील्ड पर बेहतर कार्य करने में सक्षम हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह सामान्य नियम है कि जो जितना ज्यादा काम जानता है उसका उतना ही ज्यादा सम्मान होता है। अत: कार्मिकों को कंपनी मे सम्मानजनक स्थित प्राप्त करने के लिये भी इन कार्यशालाओं का भरपूर फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला मे बेहद निपुण इंजीनियर्स द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है अत: सभी प्रतिभागी सकारात्मक मनोयोग से अधिकतम लाभ उठाएं। कार्यशाला की परिकल्पना एवं संयोजन अधीक्षण अभियंता श्री सुनील यादव का था। प्रशिक्षण सत्र के प्रारंभिक सत्र मे मुख्य अभियंता श्री संदीप गायकवाड, श्री प्रवीण कुमार गार्गव एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस.व्ही. वझे भी उपस्थित थे। भोपाल के अधीक्षण अभियंता श्री राजेश कुमार शांडिल्य एवं कार्यपालन अभियंता श्री राजेश्वर सिंह ठाकुर गेस्ट फैकल्टी के रूप में कार्यशाला में शामिल हुये, अन्य विशेषज्ञ इंजीनियर्स ने भी इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को सबस्टेशन में पावर ट्रांसफार्मर की कमीशनिंग, टेस्टिंग से संबंधित एक्टिविटी, सबस्टेशन में कैपेसिटर बैंक की उपयोगिता व उसके रख-रखाव तथा आप्टिकल फाइबर और उससे संबंधित इक्विपमेंट इत्यादि से संबंधित तकनीकी जानकारियां प्रदान कीं। प्रशिक्षण कार्यशाला में कार्यपालन अभियंता श्री नरेन्द्र सिंह पटेल , चंद्रकांत श्रीवास्तव, श्री प्रणय जोशी, तथा श्री रावेन्द्र पटेल का सहयोग रहा ।

बांग्लादेश में फिर बिगड़े हालात

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास पर किया हमला, 30 घायल

इण्टरनेशनल डेस्क। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में 22 अक्टूबर को सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बंगभवन (राष्ट्रपति आवास) पर धावा बोल दिया। इस हिंसक घटना के दौरान 30 लोग घायल हो गए। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के खिलाफ तथा 1972 के पुराने संविधान को खत्म करने की मांग कर रहे थे, जिससे देश में तनाव और बढ़ गया है। यह प्रदर्शन उस समय शुरू हुआ जब अगस्त में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को राजनीतिक संकट के चलते 16 साल के शासन को समाप्त कर भारत भागना पड़ा। इसके परिणामस्वरूप, राष्ट्रपति शहाबुद्दीन को हटाने की मांगों के साथ व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राष्ट्रपति ने हाल में कहा था कि उनके पास शेख हसीना के इस्तीफे का कोई प्रमाण नहीं है, जिससे आम लोगों में आक्रोश भर गया। पिछले सप्ताह राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने मीडिया से बातचीत में दावा किया था कि 5 अगस्त को शेख हसीना के इस्तीफे का कोई सबूत उनके पास नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने कई बार राहत कोष के माध्यम से इस्तीफा हासिल करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। हालाँकि, 5 अगस्त को उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें हसीना का इस्तीफा प्राप्त हुआ है। इस विरोधाभास की वजह से विधि मामलों के सलाहकार आसिफ नज़रूल ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ने झूठ बोला और यह उनके पद की शपथ का उल्लंघन है। मंगलवार शाम को, जैसे ही प्रदर्शनकारी बंगभवन के पास जुटने लगे, पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल का प्रयोग किया। विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम पांच लोग घायल हुए, जिनमें दो पत्रकार भी शामिल हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठियों का प्रयोग किया, लेकिन भीड़ ने आगे बढ़ना जारी रखा, जिससे हालात और भी बिगड़ गए। डेली रिपोर्ट के अनुसार, एंटी-डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट के प्रमुख छात्र नेता हसनत अब्दुल्ला और सरजिस आलम मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से शांति से हटने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि विरोध शांतिपूर्ण ढंग से चलना चाहिए। छात्रों ने गुरुवार तक नए राष्ट्रपति का चुनाव कराने का राजनीतिक दलों से आग्रह किया, साथ ही यह चेतावनी दी कि अगर समय सीमा तक कोई समाधान नहीं निकला, तो वे सड़कों पर उतरेंगे। छात्र नेताओं ने अपनी पांच सूत्री मांगों में बांग्लादेश के 1972 के संविधान को हटाने, राष्ट्रपति शहाबुद्दीन को बर्खास्त करने, संविधान में चुनावी सुधार लाने, राष्ट्रीय चुनाव की प्रक्रिया को पुनः स्थापित करने और नागरिक अधिकारों की रक्षा को शामिल किया है।

अवैध संबंध में बाधक बना बच्चा तो मां के प्रेमी ने कर दी हत्या

मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दाहिने पैर में लगी गोली

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के राजनगर एक्सटेंशन इलाके में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद 8 वर्षीय बच्चे की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ में आरोपी घायल हो गया है। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी का बच्चे की विधवा मां के साथ कथित अवैध संबंध था, और वह उसे अपने रिश्ते में बाधा मानता था, जिसके कारण उसने उसे मार डाला। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान महेश गुप्ता के रूप में हुई है, जिसे बुधवार शाम मुठभेड़ के दौरान घुटने के नीचे दाहिने पैर में गोली लगी।

जानिए, क्या कहना है डीसीपी सिटी जोन राजेश कुमार सिंह का?

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सिटी जोन राजेश कुमार सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई करते हुए गुप्ता को राजनगर एक्सटेंशन इलाके में रोका। हालांकि, उसने पुलिस पर गोली चला दी। टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें वह घायल हो गया। उसे तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

उन्होंने बताया कि यह मामला तब प्रकाश में आया जब मंगलवार शाम को लापता हुए 8 वर्षीय आकाश का शव बुधवार सुबह राजनगर एक्सटेंशन के सिटी फॉरेस्ट इलाके के पास मिला। आकाश की विधवा मां ललिता ने बेटे के घर वापस न आने पर नंदग्राम थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया अपना गुनाह

पुलिस के अनुसार, गुप्ता ने पूछताछ के दौरान कबूल किया कि उसने लड़के को कोल्ड ड्रिंक पिलाकर बहलाया-फुसलाया और अपनी साइकिल पर उसे एक सुनसान इलाके में ले गया, जहां उसने रस्सी से उसका गला घोंट दिया। पुलिस के मुताबिक गुप्ता ने स्वीकार किया कि लड़के की मां ललिता के साथ उसके अवैध संबंध थे। वह आकाश को अपने अपने संबंध में बाधा मानता था। डीसीपी ने कहा कि उनकी मुलाकातों और फोन कॉल्स के कारण ही उसने अपराध को अंजाम दिया। पुलिस ने लड़के की साइकिल और गोलीबारी में गुप्ता द्वारा इस्तेमाल की गई देसी पिस्तौल बरामद कर ली है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

अमेरिका में गुरुद्वारा प्रधान का साहसिक एक्शन !

नगर कीर्तन में आए खालिस्तान समर्थकों को दिया अल्टीमेटम, 5 मिनट में निकाला बाहर

केलिफोर्निया। अमेरिका में खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ एक गुरुद्वारे के प्रधान द्वारा बड़ा ही साहसिक एक्शन सामने आया है जिसकी पूरी दुनिया में खूब सराहना हो रही है। जानकारी के अनुसार अमेरिका के कैलिफोर्निया में सैन जोस स्थित गुरु रामदास जी गुरुद्वारे के प्रधान भूपिंदर सिंह ढिल्लों ने एक नगर कीर्तन के दौरान खालिस्तान समर्थकों को बाहर निकलने का आदेश दिया। उन्होंने क खालिस्तानी समर्थकों को केवल 5 मिनट का अल्टीमेटम दिया और कहाकि उन्होंने कीर्तन का आनंद उठा लिया इसलिए अब वह समारोह से निकल जाएं। 5 मिनट के अल्टीमेट के बाद उन्होंने उन्हें नगर कीर्तन से बाहर निकाल दिया। यह घटना उस समय हुई जब खालिस्तानी समर्थक गुरु अर्जन देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित धार्मिक समारोह में शामिल होने आए। इस नगर कीर्तन में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल थे, जो अपने धर्म और संस्कृति को उल्लास से मनाने आए थे। जैसे ही खालिस्तानी समर्थक समारोह में पहुंचे भूपिंदर सिंह ढिल्लों ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी। उन्होंने देखा कि खालिस्तानी समर्थक अपने राजनीतिक नारों और बैनरों के साथ इसमें शामिल हो रहे हैं। इस पर, भूपिंदर सिंह ढिल्लों ने एक सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा, यह समारोह धार्मिक है, और हम यहां भाईचारा और एकता मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। किसी भी प्रकार की राजनीतिक बयानबाजी के लिए यहाँ कोई जगह नहीं है। इसके बाद उन्होंने खालिस्तान समर्थकों को 5 मिनट का समय दिया कि वे वहां से चले जाएं। इस अल्टीमेटम के बाद, कुछ खालिस्तानी समर्थक अपने नारों के साथ वहीं खड़े रहे, लेकिन जब समय समाप्त हुआ, तो भूपिंदर सिंह ढिल्लों ने सख्ती से उन्हें वहां से बाहर निकालने की कार्रवाई की।

इस क्रम में कई सिख श्रद्धालुओं ने उनका समर्थन किया और यह सुनिश्चित किया कि समारोह शांति से संपन्न हो। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। से लोगों ने भूपिंद? सिंह ढिल्लों के इस कदम की सराहना की। कई लोगों ने इसे सिख समुदाय के सामूहिक एकता का प्रतीक माना। भूपिंदर सिंह ने बाद में मीडिया से बात करते हुए कहा, हमारा धर्म हमेशा मानवता और भाईचारे की बात करता है। हमें किसी भी तरह की विभाजनकारी विचारधारा को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। इस घटना के बाद, विभिन्न सिख संगठनों ने खालिस्तानी विचारधारा के खिलाफ एकजुटता व्यक्त की है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि धर्म और संस्कृति की पवित्रता सुरक्षित रहे।

दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर महिलाओं ने किया हमला

2 पुलिसकर्मी और 1 सब-इंस्पेक्टर घायल

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के कैंपियरगंज इलाके में बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर आरोपी के परिवार के सदस्यों ने हमला कर दिया, जिसमें 2 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना बुधवार देर शाम को हुई जब आरोपी की मां और दो बहनों ने पुलिस टीम पर पथराव किया, जिससे प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सचिन सिंह (28) और कांस्टेबल अजीत कुमार (25) के सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस के अनुसार, दोनों को पैडलेगंज के एक नर्सिंग होम में ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है, हालांकि, वे खतरे से बाहर हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर घायल अधिकारियों की स्थिति जानने के लिए देर रात अस्पताल पहुंचे। पुलिस अधीक्षक (उत्तर) जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने आरोपी की मां कौशल्या और बहनों प्रियंका तथा प्रीति के खिलाफ हत्या के प्रयास और सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस दल पर हमला करने वाली तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि चार दिन पहले एक स्थानीय निवासी ने राहुल निषाद के खिलाफ अपनी बेटी के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि आरोपी के अपने घर पर होने की सूचना मिलने पर उप निरीक्षक सिंह और कांस्टेबल कुमार उसे गिरफ्तार करने के लिए मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि जैसे ही वे राहुल को थाने ले जाने लगे, उसके परिवार ने अचानक पथराव शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि दोनों पुलिस अधिकारियों के सिर में गंभीर चोटें आईं और उन्हें गंभीर हालत में तुरंत अस्पताल ले जाया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गांव में अतिरिक्त बल भेजा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्रोवर ने हमले की निंदा करते हुए हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस ने इसमें शामिल मां और बहनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और कहा कि किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। पुलिस ने कहा कि आगे किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

कनाडाई सांसद ने खोली पोल

खालिस्तानी चरमपंथ कनाडा की समस्या, कानून प्रवर्तन एजेंसियां पूरी तरह गंभीर क्यों नहीं

इण्टरनेशनल डेस्क। भारतीय मूल के एक प्रमुख कनाडाई सांसद ने कहा है कि खालिस्तानी हिंसक चरमपंथ एक कनाडाई समस्या है और देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से लेना चाहिए। प्रतिनिधि सभा में नेपियन से सांसद चंद्र आर्य ने बुधवार को सदन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। आर्य ने कहा, खालिस्तानी हिंसक उग्रवाद कनाडा की एक समस्या है और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा है कि राष्ट्रीय कार्य बल इसकी जांच पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि चरमपंथ और आतंकवाद राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों से आग्रह करता हूं कि वे इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से लें। आर्य ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि दो सप्ताह पहले जब वह एडमोंटन में एक हिंदू कार्यक्रम में भाग ले रहे थे, तब खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने उनके खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन किया था। आर्य ने कहा कि वह रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) की सुरक्षा व्यवस्था की वजह से कार्यक्रम में भाग ले सके।

उन्होंने कहा, कनाडा में, हमने लंबे समय से खालिस्तानी चरमपंथ की गंभीर समस्या को पहचाना और अनुभव किया है। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट कर दूं कि कनाडा की संप्रभुता का उल्लंघन और कनाडा में किसी भी रूप में विदेशी हस्तक्षेप अस्वीकार्य है। पिछले साल सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के आरोप लगाए थे। इसके बाद भारत और कनाडा के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए थे। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को खारिज कर दिया था।

दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्र में घुसे चीनी जहाज, इंडोनेशिया ने पीछे हटने को किया मजबूर

इण्टरनेशनल डेस्क। इंडोनेशिया ने दावा किया है कि उसके गश्ती जहाजों ने दक्षिण चीन सागर के एक विवादित क्षेत्र में चीनी तट रक्षक बल के एक जहाज को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। इंडोनेशियाई अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इंडोनेशिया की समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि चीनी जहाज दो बार एमवी जियो कोरल नामक उसके जहाज के पास पहुंचा, जिससे भूकंपीय आंकड़े एकत्रित करने के लिए किए जा रहे सर्वेक्षण में बाधा उत्पन्न हुई। यह सर्वेक्षण सरकारी ऊर्जा कंपनी पीटी पर्टामिना द्वारा दक्षिण चीन सागर के उस हिस्से में किया जा रहा है जिस पर दोनों देश अपना दावा करते हैं।

चीन के लिए नौ-डैश लाइन काफी महत्वपूर्ण है, जिसका उपयोग वह दक्षिण चीन सागर के अधिकांश भाग पर अपने दावे को मोटे तौर पर दर्शाने के लिए करता है।

चीन की यह नौ-डैश लाइन इंडोनेशिया के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के एक हिस्से से ओवरलैप (अतिव्यापन करना) होती है जो नटूना द्वीप समूह तक फैला है। फिलीपीन से संबंधित 2016 के एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसले ने समुद्र में चीन के अधिकांश व्यापक दावों को अमान्य कर दिया था। लेकिन, चीन ने इस फैसले की अनदेखी की है और इसे फर्जी बताया है।

चीनी जहाज नियमित रूप से उस क्षेत्र में प्रवेश करते रहे हैं जिसे इंडोनेशिया उत्तरी नटुना सागर कहता है। चीन के ऐसा करने के कारण दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ जाता है। इंडोनेशियाई अधिकारियों ने बताया कि चीनी तट रक्षक बल के जहाज सीसीजी 5402 को सोमवार को एमवी जियो कोरल के पास देखा गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569